RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:118 ता. 02 नवम्बर 2022, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

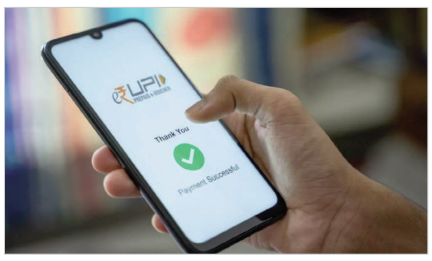

लगातार बढ़ रहा यूपीआई का जलवा, अक्टूबर में 7.7 प्रतिशत बढ़कर 730 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । यूपीआई से होने वाले लेन-देन का दायरा लगातार बढ़ रहा है। यूपीआई के माध्यम से होने वाला लेन-देन अक्टूबर में 7.7 प्रतिशत बढ़कर 730 करोड़ हो गया। अक्टूबर में कुल 12.11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का यूपीआई ट्रांजैक्शन हुआ। सितंबर में 11.16 लाख करोड़ रुपये के 678 करोड़ यूपीआई ट्रांजैक्शन हुए। बता दें कि भारत के पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर में यूपीआई एक क्रांति की तरह उभरा है। इससे लोगों को आसानी हुई है और डिजिटल भुगतान में सुगमता आई है। यूरोपीय देशों में भी यूपीआई के माध्यम से लेन-देन शुरू करने को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। मंगलवार को जारी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के मासिक आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में आईएमपीसी (तत्काल भुगतान सेवा) के माध्यम से तत्काल इंटरबैंक फंड ट्रांसफर की संख्या 48.25 करोड़ थी और इसका मूल्य 4.66 लाख करोड़ रुपये था। लेन-देन के मामले में यह सितंबर की तुलना में 4.3 फीसदी अधिक था। फास्ट टैग, जो देश भर में एनएचएआई के टोल बूथों पर स्वचालित टोल संग्रह की सुविधा देता है, ने सितंबर में 28.3 करोड़ की तुलना में लेन-देन की संख्या में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। अक्टूबर में फास्टैग से होने वाले लेन-देन का मूल्य 4,451.87 करोड़ रुपये रहा, जबकि सितंबर में यह 4,244.76 करोड़ रुपये था।

2 नवंबर को गुजरात में राजकीय शोक का ऐलान, कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं होगा

गांधीनगर . रविवार को मोरबी में हुई भीषण दुर्घटना में 140 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी. गुजरात समेत देशभर में इस घटना को लेकर शोक की लहर दौड़ गई थी. मोरबी दुर्घटना के चलते राज्य सरकार ने 2 नवंबर को गुजरात में राजकीय शोक का ऐलान किया है और इस हादसे में अपनी जान गंवाने वालों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने की लोगों से अपील की ह. मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया कि, प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में गांधीनगर में राजभवन में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई. इस बैठक में मोरबी पुल हादसे में मृतकों के लिए 2 नवंबर को गुजरात में राज्यव्यापी शोक मनाने का निर्णय लिया गया. राज्य में सरकारी भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और कोई समारोह या मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाएगा. सीएम भूपेंद्र पटेल ने आगे कहा कि, ÷मैं पूरे राज्य से विनम्रतापूर्वक अपील करता हूं कि उस दिन इस त्रासदी में अपनी जान गंवाने वाली दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करें. साथ ही उनके परिवारों को इस आघात को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करें.

दिल्ली में वायु वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में, सांस लेना हुआ मुश्किल

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता मंगलवार सुबह और खराब हो गई और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'गंभीर श्रेणी में रहा। दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक सोमवार रात आठ बजे 361 (बहुत खराब) था। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस नीचे 15.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 और 100 को 'संतोषजनक', 101 और 200 को 'मध्यम', 201 और 300 को 'खराब', 301 और 400 को 'बहुत खराब', तथा 401 और 500 को 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में मंगलवार सुबह नौ बजकर 10 मिनट पर एक्यूआई 426 रहा। शहर में न्यूनतम तापमान मंगलवार को 15.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस मौसम के औसत तापमान से एक डिग्री कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के अनुसार, शहर में सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत दर्ज की गई।

हम आदिवासी समाज के बलिदानों के ऋणी : पीएम मोदी

मानगढ़ के मंच से पीएम ने सीएम गहलोत की तारीफ की बोले गहलोत सबसे सीनियर है

जयपुर । (एजेंसी)

1500 आदिवासियों की शहीद स्थली बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि मेरे लिए खुशी की बात है कि मुझे फिर से यहां आने का मौका मिला उन्होंने अशोक गहलोत के लिए बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नाते हम दोनों को साथ-साथ काम करने का मौका मिला है उस समय मुख्यमंत्रियों में गहलोत जी सबसे सीनियर हुआ करते थे आज के कार्यक्रम में भी मुख्यमंत्री गहलोत सबसे सीनियर हैं। उन्होंने कहा कि परसों गोविंद गुरुजी की पुण्यतिथि थी, मैं उनको नमन करता हूं. मानगढ़ धाम आना सबके लिए प्रेरणा है, त्याग-तपस्या का प्रतिबिंब है। पीएम ने कहा कि मुझे मानगढ़ की पवित्र धरती पर सिर झुकाने का मौका मिला है वे एक समाज सुधारक थे, वो आध्यात्म गुरु भी थे. हम आदिवासी समाज के योगदानों के कर्जदार हैं. भारत के चरित्र को सहेजने वाला आदिवासी समाज ही है. हालांकि उन्होंने इसे राष्ट्रीय स्मारक बनाने की घोषणा नहीं की. इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने शहीद स्मारक का दौरा कर आदिवासियों को श्रद्धांजलि दी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम आदिवासी समाज के बलिदानों के ऋणी हैं प्रकृति से लेकर पर्यावरण तक, संस्कृति से लेकर परंपराओं तक को सहेजा है. आज समय है कि देश इस ऋण के लिए, इस योगदान के लिए, आदिवासी समाज की सेवा कर उनका धन्यवाद करें मोदी ने कहा कि मानगढ़ धाम को भव्य बनाने की इच्छा सबकी है. मप्र, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र आपस में चर्चा कर एक विस्तृत प्लान तैयार करें और मानगढ़ धाम के विकास की रूपरेखा तैयार करें. चार राज्य और भारत सरकार मिलकर इसे नई ऊंचाईयों पर ले जाएंगे. नाम भले ही राष्ट्रीय स्मारक दे देंगे या कोई और नाम दे देंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने संबोधन में कहा कि मानगढ़ धाम के इतिहास को स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया है. उन्होंने कहा कि मानगढ़ धाम पर प्रधानमंत्री पधारे, मैं प्रदेश वासियों की तरफ से उनका स्वागत करता हूं. उन्होंने कहा कि आदिवासियों का इतिहास महान इतिहास है. जितना खोज की जाए, उतनी ही नई कहानियां मिलेंगी. जहां-जहां आदिवासी रहते हैं, चाहे बिरसा मुंडा की बात करें, हर जगह आजादी की जंग में आदिवासियों का बड़ा योगदान था. महाराणा प्रताप का शौर्य मेवाड़ की पहचान है. हमने पीएम मोदी से अपील की है कि इसे राष्ट्रीय स्मारक बनाया घोषित किया जाए. आदिवासी समाज आजादी की जंग लडने के मामले में किसी से पीछे नहीं था. गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री दुनिया के कई देश में जाते है तो बेहद सम्मान मिलता है और सम्मान क्यों मिलता है? क्योंकि नरेंद्र मोदी जी उस देश के प्रधानमंत्री है जो गांधी का देश है, जहां लोकतंत्र की जड़े मज़बूत है। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की तोपभूमि से कई स्वतंत्रा सेनानी हुए. अब समय आ गया है कि मानगढ़ धाम की ऐतिहासिक पहचान बने आदिवासी भाइयों के बलिदान को सम्मान मिले. आजादी के लिए देश में कई बलिदान हुए, इसकी सूची लंबी है. वहीं इस दौरान मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि राजस्थान की चिरंजीवी योजना को एग्जामिन कराएंगे तो पूरे देश में इसे लागू किया जा सकता है. साथ ही उन्होंने बांसवाड़ा को रेल प्रोजेक्ट से जोड़ने की भी मांग की. उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले आपने मानगढ़ को लेकर अलग-अलग प्रदेशों के बारे में जानकारी ली है इसके मायने होते हैं, मैं उम्मीद करता हूं मानगढ़ को आप राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा देंगे.

कांग्रेस शासन में सैनिकों के सिर कटते थे,

हमने पाक में घुसकर आतंकियों को सबक सिखाया : शाह

शिमला । (एजेंसी)

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हिमाचल प्रदेश के भटियात विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्ये याशी विक्रम जरियाल के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले आठ सालों में देश अनेक बड़े बदलावों का गवाह रहा है। कांग्रेस के शासनकाल में सैनिकों के सिर कटते थे और केंद्र सरकार चुपचाप देखती रहती थी, जब से केंद्र में भाजपा की सरकार बनी है हमने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों को सबक सिखाया है। अपने संबोधन की शुरुआत 'भारत माता की जय' के नारे से करते हुए गृहमंत्री शाह ने कहा कि मैं विक्रम जरयाल को लगातार तीसरी बार यहां से जिताने का आशीर्वाद लेने भटियात की जनता के पास आया हूं। शाह ने कहा देवभूमि हिमाचल को मेरा प्रणाम। उन वीर माताओं को प्रणाम, जिनके बेटे देश की सरहदों की रक्षा करने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने से पीछे नहीं हटते। सेना में प्रतिशतता के हिसाब से सबसे अधिक हिमाचल के जवान हैं। मणिमहेश, कार्तिक स्वामी व नाग मंडोर को भी प्रणाम। जरयाल की जीत निश्चित है। केंद्रीय गृहमंत्री ने हिमाचल प्रदेश की जनता से कहा नया रिवाज बनाइए, एक बार फिर भाजपा की सरकार लाइए। बार-बार भाजपा। कांग्रेस नेता टोपी की राजनीति करते हैं। मगर आज से लाल टोपी भी भाजपा की और हरी टोपी भी। राहुल बाबा कान खोल कर सुन लो, हिमाचल प्रदेश का चप्पा-चप्पा भाजपा का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दिल्ली में भी और हिमाचल में भी मां-बेटे की पार्टी है। मगर भाजपा सबकी पार्टी है। कांग्रेस सरकार ने हिमाचल प्रदेश के बजट को 90-10 से 60-40 कर दिया था। मगर भाजपा ने फिर से इसे 90-10 करके प्रदेश का विकास करवाया है। कांग्रेस की सरकारें घोटालों की रही हैं, 12 लाख करोड़ के घोटाले किए हैं। अब लोकतंत्र में राजा-रानी नहीं जनता का राज चलता है।

अमित शाह ने कहा कि चंबा जिला में प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में 2 पावर प्रोजेक्ट दिए हैं। केंद्र सरकार ने 10 अस्पतालों को हिम केअर व आयुष्मान योजना के तहत पंजीकृत किया गया है। 360 बेड का मेडिकल कॉलेज सरोल में बन रहा है। हर घर में पानी दिया, मुफ्त इलाज की सुविधा दी, सड़कें बनवाई, मगर कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है। कांग्रेस के समय में, सोनिया-मनमोहन की सरकार में पाकिस्तान के आतंकवादी हमारे जवानों के सिर काट देते थे, और तबकी सरकार उफ तक नहीं करती थी। लेकिन मोदी सरकार मौनी बाबा की सरकार नहीं है। गृहमंत्री शाह ने कहा कि अब पाकिस्तान के दुस्साहस का जवाब सर्जिकल और एयर स्ट्राइक से दिया जाता है।

मोरबी हादसे की न्यायिक आयोग से जांच की मांग वाली याचिका पर 14 को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट मोरबी पुल हादसे को लेकर दायर उस जनहित याचिका पर 14 नवंबर को सुनवाई करेगा जिनमें मांग की गई है कि शीर्ष कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग गठित किया जाए जो इस मामले की जांच करे। मोरबी पुल ढहने की घटना की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग करते हुए एक जनहित याचिका दायर की गई थी, जिसमें 135 लोगों की जान चली गई है। जनहित याचिका में घटना की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की देखरेख में न्यायिक आयोग नियुक्त करने का निर्देश देने की मांग की गई है। वकील विशाल तिवारी ने जनहित याचिका दायर की है। उधर, मोरबी में मच्छु नदी में लगातार तीसरे दिन भी तलाशी अभियान जारी है। मोरबी फुट ब्रिज गिरने से मंगलवार को मरने वालों की संख्या बढ़कर 135 हो गई है। मोरबी में मच्छु नदी पर ब्रिटिश काल का यह केबल सस्पेंशन ब्रिज जब रविवार शाम को टूटा तो छुट्टी का दिन होने की वजह से वहां बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद थे। क्षमता से अधिक संख्या में पुल पर एकत्र होने की वजह से पुल टूट गया। मरम्मत और नवीनीकरण के बाद एक सदी से भी पुराने पुल को केवल 4 दिन पहले ही फिर से खोला गया था। पुलिस ने सोमवार को ओरेवा समूह के 4 लोगों सहित 9 लोगों को गिरफ्तार किया है, जो मोरबी निलंबन पुल का प्रबंधन कर रहे थे। पुल के रखरखाव और संचालन के लिए काम करने वाली फर्मों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। रविवार की शाम को पुल के टूटने का वीडियो फुटेज भी सामने आया है। जिसमें कुछ ही सेकंड में पुल टूटते हुए दिखाया गया था। पुल को फिर से खोलने से पहले फिटनेस प्रमाण पत्र नहीं लिया गया था।

देश में कोरोना के इलाजरत मरीजों की संख्या घटकर 17,618 हुई

भारत में 1,046 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की कुल संख्या 4,46,54,638 पहुंची

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,046 नए मामले सामने आने से देश में संक्रमितों की कुल संख्या 4,46,54,638 हो गई, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 17,618 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार भारत में संक्रमण से 53 और लोगों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 5,29,077 हो गई है। इन 53 मामलों में वे 46 लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनर्मिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से जान गंवाने वाले मरीजों की सूची में जोड़े हैं। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार देश में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 17,618 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.04 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 294 की कमी दर्ज की गई है। वहीं मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.78 प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक देश में अभी तक कुल 4,41,07,943 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत है। वहीं राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 219.64 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे।

पुलवामा हमले का जश्न मनाने वाले इंजीनियरिंग छात्र को कोर्ट ने सुनाई 5 साल की कैद व 26 हजार जुर्माना

बेंगलुरु ।(एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर हमला करने वाले आतंकवादी की कथित तौर पर तारीफ करने और शहीदों की शहादत पर खुशी व्यक्त करने वाले छात्र को कोर्ट ने बड़ी सजा सुनाई है। बेंगलुरु की एक विशेष कोर्ट ने सोमवार को 23 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र को फेसबुक पर 2019 के पुलवामा हमले का जश्न मनाने का दोषी ठहराया और उसे 25,000 रुपए के जुर्माने के अलावा 5 साल की साधारण कैद की सजा सुनाई। एनआईए और यूएपीए यानी गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के लिए विशेष अदालत के न्यायाधीश गंगाधर ने कहा कि अगर पुलवामा अटैक का जश्न मनाने का दोषी जुर्माना भरने में विफल रहता है, तो बेंगलुरु के कचरकनहल्ली के निवासी फैज रशीद को छह महीने की और कैद काटनी होगी। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए विशेष लोक अभियोजक जीएन अरुण बताया कि विशेष अदालत ने दोषी रशीद को आईपीसी की धारा 153 ए (समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 201 (अपराध के सबूतों को गायब करना), और यूएपीए की धारा 13 (गैरकानूनी गतिविधियों के लिए सजा) के तहत दोषी ठहराया गया है।

आरोपी को अच्छे व्यवहार के आधार पर रिहा करने से विचार करने से इनकार करते हुए स्पेशल कोर्ट के जज ने कहा आरोपी कोई अनपढ़ या सामान्य व्यक्ति नहीं है। अपराध किए जाने के समय वह इंजीनियरिंग का छात्र था। उसने जानबूझकर अपने फेसबुक अकाउंट पर पुलवामा अटैक को लेकर पोस्ट किए। उसने पुलवामा अटैक के महान शहीदों की मौत पर खुशी का इजहार किया। इसलिए आरोपी द्वारा किया गया अपराध इस महान राष्ट्र के खिलाफ और प्रकृति में जघन्य है।

गृह मंत्रालय का बड़ा ऐलान, पाकिस्तान-बांग्लादेश आए लोगों मिलेगी भारत की नागरिकता

अहमदाबाद . गुजरात विधानसभा के चुनाव से पहले केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने बड़ा ऐलान किया है. पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए लोगों को भारतीय नागरिकता देने का गृह मंत्रालय ने फैसला किया है और इसके लिए एक अधिसूचना भी जारी कर दी है. गृह मंत्रालय के इस फैसले से पाकिस्तान और बांग्लादेश से गुजरात आए हिन्दू, सिख, पारसी, जैन और ईसाई समुदाय में खुशी की लहर दौड़ गई है. केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए और फिलहाल गुजरात के दो जिलों में रहनेवाले हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता कानून 1955 के अंतर्गत भारतीय नागरिकता देने का फैसला किया है. विवादित नागरिका संशोधन अधिनियम 2019 (सीएए) के स्थान पर नागरिकता अधिनियम 1955 के तहत नागरिकता देने का यह महत्वपूर्ण कदम है.केन्द्रीय गृह मंत्रालय के इस फैसले से गुजरात के दो जिलों आणंद और मेहसाणा में रहनेवाले तथा पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान से आए हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता दी जाएगी. केन्द्र सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 6 के तहत और नागरिकता नियम 2009 के प्रावधान के मुताबिक भारत की नागरिकता के लिए पंजीकरण को मंजूरी दी जाएगी अथवा उन्हें देश का नागरिक होने का प्रमाण पत्र दिया जाएगा. अधिसूचना के मुताबिक पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आकर गुजरात के आणंद और मेहसाणा में निवास कर रहे लोगों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा. जिसके बाद जिलास्तर पर कलेक्टर सत्यापन करेंगे और समग्र प्रक्रिया से संतुष्ट होने के बाद भारत की नागरिकता प्रदान करेंगे. आवेदन के साथ कलेक्टर अपनी रिपोर्ट केन्द्र सरकार को भेजेंगे. ऑनलाइन के साथ साथ कलेक्टर द्वारा भौतिक रजिस्टर भी रखेंगे. जिसमें भारत के नागरिक के तौर पर इस प्रकार पंजीकृत किए गए लोगों की पूरा जानकारी और उसकी एक कॉपी इस प्रकार के पंजीकरण के सात दिनों के भीतर केन्द्र सरकार को भेजी जाएगी.

संसद के शीतकालीन सत्र में राजद्रोह कानून में हो सकता है बदलाव, केंद्र सरकार ने दिए संकेत

नई दिल्ली । विवादास्पद राजद्रोह कानून को लेकर सड़क से सुप्रीम कोर्ट तक जारी बहस के बीच केंद्र सरकार ने इस कानून में संशोधन के संकेत दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार की ओर से अटार्नी जनरल ने बताया कि राजद्रोह कानून की समीक्षा के के लिए कुछ और वक्त दिया जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र में इस पर कोई निर्णय लिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को औपनिवेशिक काल के इस प्रावधान की समीक्षा करने के लिए 'उपयुक्त कदम' उठाने के वास्ते सोमवार को अतिरिक्त समय दे दिया है। इस तरह राजद्रोह कानून और इसके परिणामस्वरूप दर्ज की जाने वाली प्राथमिकियों पर अस्थाई रोक लगाने वाला आदेश बरकरार रहेगा। सीजेआई यानी प्रधान न्यायाधीश उदय उमेश ललित और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट्ट तथा बेला एम त्रिवेदी की पीठ से अटार्नी जनरल आर वेंकटरमानी ने कहा कि केंद्र को कुछ और वक्त दिया जाए क्योंकि संसद के शीतकालीन सत्र में इस मामले में कोई निर्णय लिया जा सकता है। देश के शीर्ष विधि अधिकारी ने कहा कि यह विषय संबद्ध प्राधिकारों के विचारार्थ है और प्रावधान के इस्तेमाल पर रोक लगाने वाले 11 मई के अंतरिम आदेश के मद्देनजर चिंता करने का कोई कारण नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा अटार्नी जनरल आर वेंकटरमानी ने दलील दी है कि 11 मई 2022 को इस न्यायालय द्वारा जारी किए गए निर्देशों के संदर्भ में यह विषय संबद्ध प्राधिकारों का अब भी ध्यान आकृष्ट कर रहा है। उन्होंने आग्रह किया कि कुछ अतिरिक्त समय दिया जाए, ताकि सरकार उपयुक्त कदम उठा सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा इस न्यायालय द्वारा 11 मई 2022 को जारी अंतरिम निर्देशों के मद्देनजर प्रत्येक हित और संबद्ध रुख का संरक्षण किया गया है तथा किसी के प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं है।

हरियाणा, मप्र, छग, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश और केरल के स्थापना दिवस पर शाह ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली ।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यों को उनके स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दीं हैं। आज ही के दिन 1 नवंबर हरियाणा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश और केरल की स्थापना हुई थी। अमित शाह ने हरियाणा के स्थापना दिवस पर ट्वीट करते हुए कहा कि बहादुर जवानों, मेहनतकश किसानों और प्रतिभावान खिलाड़ियों की भूमि हरियाणा के स्थापना दिवस पर प्रदेश के सभी भाइयों-बहनों को शुभकामनाएं देता हूं और कामना करता हूं कि आने वाले समय में प्रदेश विकास व प्रगति के शिखर पर पहुंचेगा। वहीं मध्यप्रदेश के बारे में लिखा कि संस्कृति, अध्यात्म और प्राकृतिक सौन्दर्य के अद्भुत संगम की भूमि मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस पर राज्य के भाइयों-बहनों को शुभकामनाएं देता हूं। मध्य प्रदेश ने विकास और सुशासन को चरितार्थ कर लोक कल्याण के नए माप दंड स्थापित किए हैं, प्रदेश नई ऊंचाइयों को छुए ऐसी कामना करता हूं। अमित शाह ने छत्तीसगढ़वासियों को शुभकामना देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के भाइयों-बहनों को प्रदेश के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। समृद्ध संस्कृति व खनिज संपदा से संपन्न छत्तीसगढ़ राज्य की जनता की खुशहाली व प्रदेश की निरंतर प्रगति की कामना करता हूं। वहीं एक और ट्वीट में शाह ने कहा कि कर्नाटक राज्योत्सव के विशेष अवसर पर कर्नाटक के मेरे भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई। हमें कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्र की प्रगति में कन्नड़ के योगदान पर गर्व है। मेरी कामना है कि लोग हमेशा खुश और समृद्ध रहें। इसके अलावा उन्होंने आंध्र प्रदेश को भी बधाई दी और कहा कि आंध्र प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर आंध्र प्रदेश के लोगों को हार्दिक बधाई। आंध्र प्रदेश अपनी अद्भुत संस्कृति और महान हृदय वाले लोगों के लिए जाना जाता है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आने वाले समय में आंध्र प्रदेश का और विकास होगा। केरल के स्थापना दिवस पर अमित शाह ने ट्वीट किया कि केरल में मेरी सभी बहनों और भाइयों को केरल जन्म दिवस की शुभकामनाएं। मैं केरल के लोगों की समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करता हूं। यह खूबसूरत राज्य अपनी आगे की यात्रा में प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुए। गौरतलब है कि ये सभी 6 राज्य 1 नवंबर को अपना स्थापना दिवस मानते हैं। इसी दिन इन राज्यों का पुनर्गठन किया गया था।

गुजरात में भाजपा की हालात इतनी खराब हैं कि एक महाठग से मदद लेनी पड़ रही : केजरीवाल

नई दिल्ली।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हर अच्छे काम को रोकने की कोशिश हो रही है। केजरीवाल ने कहा कि मोरबी में ब्रिज गिरने की घटना कल से एक दिन पहले हुई। सभी टीवी चैनलों ने मुद्दे को उठाया लेकिन आज यह गायब हो गया और सुकेश चंद्रशेखर के आरोप सामने आ गए। क्या यह मोरबी से ध्यान हटाने के लिए रची गई पूरी तरह से एक काल्पनिक कहानी नहीं लगती? केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी की गुजरात में हालत इतनी खराब हो गई है, कि भाजपा देश के सबसे बड़े ठग की मदद लेनी पड़ रही है। मीडिया सतर्क रहे, ये सारा नाटक मोरबी से मीडिया का ध्यान हटाने के लिए किया जा रहा है। मोरबी का हादसा एक बड़े भ्रष्टाचार का मामला। बीजेपी सरकार से देश के लोगों के कुछ सवाल, घड़ी बनाने वाली कंपनी को पुल का ठेका क्यों? बिना टेंडर के ठेका क्यों दिया? कंपनी और मालिक का नाम एफआईआर में क्यों नहीं है? उन्हें क्यों बचाया जा रहा है? क्या बीजेपी को कभी इस कंपनी से चंदा मिला? कितना? दिल्ली में हम रोज फ्री में सरकारी योगा क्लास कराते थे, सत्ता का दुरुपयोग करके इन्होंने अब योगा क्लास बंद करा दी। बीजेपी और एलजी साहब चाहे जितनी साजिशें कर लें, हम ये योगा क्लास बंद नहीं होने देने वाले हैं। मुझे घर-घर जाके भीख भी माँगनी पड़ेगी, मैं माँगूँगा लेकिन योगा क्लास बंद नहीं होंगी। इन्होंने योगा क्लास को रोक दिया। अब ये मोहल्ला क्लीनिक और अस्पतालों में मिल रही फ्री दवाइयों-टेस्ट को रोकने वाले हैं।

गेस्ट टीचर्स और कच्चे कर्मचारियों को परेशान करने वाले हैं। दिल्लीवासी चिंता ना करें, ये लोग जितने तीर चलाएंगे, आपका ये बेटा केजरीवाल ढाल बनकर आपके सामने खड़ा रहेगा।

मोरबी हादसे के घायलों से मिलने के बाद पीएम मोदी की हाई लेवल बैठक, कहा- हर पहलू की हो जांच, परिवारों को मिले पूरी मदद

नेशनल डेस्क : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मोरबी हादसे के बाद स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और कहा कि इस त्रासदी से संबंधित सभी पहलुओं की पहचान करने के लिए एक 'विस्तृत और व्यापक' जांच समय की मांग है। अधिकारियों के मुताबिक, उन्होंने कहा कि जांच से मिले प्रमुख सबकों को जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री को राहत अभियान और प्रभावित परिवारों को उपलब्ध कराई गई मदद के बारे में जानकारी दी गई। मोदी ने कहा कि अधिकारियों को प्रभावित परिवारों के संपर्क में रहना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दुख की इस घड़ी में उन्हें हर संभव मदद मिले। बैठक में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह मंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद थे। इससे पहले मोदी ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया और स्थानीय अस्पताल भी गए जहां इस हादसे में घायल हुए लोगों का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने राहत और बचाव के काम में शामिल लोगों से बातचीत की और उनके प्रयासों की सराहना की।

मौसम विभाग की चेतावनी, दिल्ली और मेरठ के आसपास नवंबर के शुरुआती सप्ताह में ही धुंध होगी

नई दिल्ली ।

नवंबर माह में ही इस बार कोहरा परेशान करने लगेगा। मौसम विभाग ने इस संबंध में चेतावनी दी है। मौसम विभाग के मुताबिक मेरठ और आस पास के इलाकों में नवंबर के शुरुआती सप्ताह में ही धुंध होने लगेगी। इसका कारण हवा में नमी की मात्रा में बढ़ोतरी होना। इसके अलावा पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्के बादल होने से रात में तापमान कम होने लगेगा। दिन में भी तापमान में कमी देखने को मिल रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि नवंबर के दूसरे सप्ताह में धुंध अधिक बढ़ेगी। वातावरण में धुंध छाने के पीछे भी कारण होता है। दरअसल सर्दी के मौसम में नम हवा ऊपर उठती है, तब ठंडी हो जाती है। इसके बाद जल वाष्प इकट्ठा होकर जल की बूंदों में तबदील होती है। इससे कोहरा होता है। ये सूक्ष्म बूंदें धुआं और धूल में शामिल हो जाती है, जो धुंध बनती है। बता दें कि इन दिनों मौसम में परिवर्तन के कारण हिमालय पर चक्रवात पैदा होता है। इसका मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ है। वहीं अरब सागर व बंगाल की खाड़ी से नम हवा आती है, जो धुंध में बढ़ोतरी लाती है। बता दें कि हिमालय पर पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है, जो मैदानी इलाकों में अपना प्रभाव डालेगा। ये बादलों की आवाजाही में बढ़ोतरी लाता है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ इस समय हिमालय के पूर्वी इलाके में है। इस कारण हवा में 80 प्रतिशत से अधिक आद्रता हो गई है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण ही हवा वायुमंडल में रात और सुबह के समय धुंध छाएगी। वहीं प्रदूषण अधिक होने से भी धुंध की चादर गहराती है। दरअसल रात में जमीन का तापमान भी कम होता है, जिससे हवा में मौजूद भाप इकट्ठा होकर ओस का रूप लेती है। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक इस समय हिमालयी क्षेत्र में काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। यहां दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहे है।

बंगाल चुनाव आयोग टीएमसी को पंचायत चुनाव जिताने में मदद कर रहा : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता।

राज्य चुनाव आयोग के कार्यालय के सामने खड़े होकर विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी ने शिकायत की है कि बंगाल चुनाव आयोग पंचायत चुनाव में तृणमूल को जिताने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने शिकायत की, ÷राज्य चुनाव आयोग आगामी पंचायत चुनावों में तृणमूल को जीत का लाइसेंस दे रहा है। शुभेंदु की शिकायत आयोग की ओर से जारी वोटर ड्राफ्ट को लेकर है। आयोग ने त्रिस्टार पंचायत चुनाव को देखते हुए 18 अक्टूबर को 'आरक्षण रोस्टर' जारी किया है। इसमें महिलाओं के लिए कौन सी सीटें आरक्षित होंगी और कौन सी सीटें अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आरक्षित होंगी, इसका मसौदा सामने आया है। भाजपा नेता शुभेंदु ने शिकायत की कि यह मसौदा अनियमित तरीके से तैयार किया गया था। अधिकारी ने कहा कि मसौदा स्थानीय सर्वेक्षणों के बजाय जमीनी स्तर के नेताओं और सरकार के करीबी नौकरशाहों द्वारा प्रदान की गई जानकारी पर आधारित है। नंदीग्राम के विधायक ने कहा कि अगर इस मसौदे पर कोई आपत्ति है, तब इसके लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख 2 नवंबर दी गई है। लेकिन मसौदा उस समय में जारी किया गया है जब महीने के अधिकांश दिन सार्वजनिक अवकाश होते हैं। राज्य चुनाव आयोग के बाहर खड़े शुभेंदु ने कहा, 'मैं सुबह 11:15 बजे आपत्ति जताने आया था। मैंने देखा कि न तो कोई कमिश्नर था और न ही कोई सचिव। मैंने ग्रुप डी कार्यकर्ता को रसीद दी। ये है राज्य चुनाव आयोग का हाल!

शुभेंदु ने दावा किया कि इस 'मसौदा सर्वेक्षण' को बाहर कर दिया जाना चाहिए और एक नया सर्वेक्षण किया जाना चाहिए। ऐसा नहीं करने की स्थिति में उन्होंने कोर्ट जाने की धमकी भी दी है। भाजपा नेता ने कहा, बीडीओ ने तृणमूल के ब्लॉक नेताओं के साथ मिलकर 100 दिन के काम का पैसा चुराया है, उन्होंने 'ड्राफ्ट प्रकाशन' किया है।

मोरबी पुल दुर्घटना मानव-निर्मित नहीं, सरकार-निर्मित आपदा, मुख्यमंत्री इस्तीफा दें : दिग्विजय सिंह

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने मोरबी पुल दुर्घटना को लेकर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के इस्तीफे की मांग की है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पार्टी की गुजरात इकाई के अध्यक्ष जगदीश ठाकोर और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने मोरबी का दौरा किया। दिग्विजय सिंह ने कहा कि इस आपदा के लिए सरकार जिम्मेदार है और मुख्यमंत्री को नैतिक आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। सिंह ने कहा, मैं कोई राजनीति नहीं करना चाहता, लेकिन मुझे पता चला है कि जब रविवार शाम पुल गिरा, तब भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के मंत्री, सांसद, जिलाधिकारी और मोरबी जिले के पुलिस अधीक्षक पास ही एक स्थान पर बैठक कर रहे थे। उन्होंने बैठक जारी रखी और उसी समय यहां नहीं आए। सिंह ने पूछा कि अधिकारियों से बिना किसी (फिटनेस) प्रमाण पत्र के पुल को जनता के लिए कैसे खोल दिया ? उन्होंने कहा, यह मानव-निर्मित नहीं, सरकार-निर्मित आपदा है और गुजरात के मुख्यमंत्री को इसके लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए और पद से इस्तीफा देना चाहिए। इतने सारे लोगों को पुल पर क्यों जाने दिया गया? जवाबदेही तय की जानी चाहिए और दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए।

भाजपा का आरोप महाठग सुकेश को भी ठग लिया आप के मंत्री सत्येंद्र जैन

केजरीवाल के लिए जेल से वूसली जारी है

नई दिल्ली ।

मंडोली जेल से लिखे गए महाठग सुकेश चंद्रशेखर के 'लेटर बम' से दिल्ली की राजनीति में भूकंप आ गया है। पत्र में मनी लान्ड्रिंग के आरोपित सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन पर प्रोटेक्शन मनी के रूप में 10 करोड़ रुपये लेने के आरोप लगाए हैं। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के साथ-साथ कांग्रेस भी हमलवार है। दिल्ली के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने ट्वीट किया, सुकेश जैसे अपराधी से पैसे लिए हैं, तब तिहाड़ जेल में बंद आतंकवादियों, हत्यारों और दुष्कर्मियों से भी पैसे लेते रहे होंगे सत्येंद्र जैन और केजरीवाल। वहीं, मामले में दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने पत्र लिखकर आम आदमी पार्टी सरकार पर हमला बोला है। गुप्ता का कहना है कि दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन पिछले छह माह से जेल में हैं और जेल से ही वसूली कर रहे हैं। ठगी के आरोप में बंद सुकेश चंद्रशेखर से ठगी कर रहे हैं। जेल में उन्हें विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं। सुकेश ने उपराज्यपाल को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि जेल में सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जैन उनसे प्रति माह दो करोड़ ले रहे हैं। अबतक दस करोड़ देने की आरोप लगाया है। जेल से आम आदमी पार्टी नेतृत्व के लिए वसूली की जा रही है। इसकारण मुख्यमंत्री ने उन्हें अभी तक पद से नहीं हटाया गया। उनके खिलाफ यह तीसरा मामला है, उन्हें तुरंत बर्खास्त किया जाए। वहीं, पश्चिमी दिल्ली के सांसद प्रवेश वर्मा ने भी कहा है कि केजरीवाल किस अपराध के बाद सत्येंद्र जैन को मंत्री पद से हटाएंगे। जेल में उन्हें सभी सुविधाएं मिल रही हैं। बिहार और हरियाणा में इस तरह की घटनाएं होती थी। अब दिल्ली की जेल में यह हो रहा है। सुकेश को मदद करने का अधिकारियों को निर्देश था। उसने उपराज्यपाल को लिखे पत्र में कहा है कि वह 2015 से सत्येंद्र जैन को जनता है। उन्हें उसने पार्टी में बड़ा पद और राज्यसभा भेजने के लिए 50 करोड़ दिया है। इसके साथ जेल में सुविधा देने के किए दस करोड़ दिए गए। उन्होंने कहा कि दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल मसाज पार्लर पर छापा मारती हैं। उन्हें बताना चाहिए कि तिहाड़ में मसाज पार्लर पर कब छापा मारेंगी। यह भी आरोप लगाया है कि निगम, विधानसभा से लेकर लोकसभा चुनाव तक पैसे लेकर टिकट दिए जाते हैं।

पराली संकट पर फेल साबित हुई मान सरकार

मुख्यमंत्री के दावों में जमीनी सच्चाई नहीं

पटियाला।

पंजाब की मान सरकार पराली संकट को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं दिख रही है। यदि मान सरकार का इस तरह का उदासीन रवैया रहा, तब आने वाले दो सप्ताह में पंजाब में सांस लेना भी मुश्किल होगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान भले ही दावा कर रहे हों कि सरकार पराली निस्तारण के लिए 8 सूत्रीय एजेंडा पर काम कर रही है, लेकिन जमीन पर इसका कोई असर नहीं दिखाई दे रहा। इस सीजन की बात करें, तब सोमवार को पंजाब में पराली जलाने की सबसे ज्यादा 2131 मामले दर्ज किए गए। हैरानी की बात यह है कि मुख्यमंत्री के गृह जिले संगरूर में ही किसानों ने सर्वाधिक 330 स्थानों पर पराली जलाई।

राज्य में अभी तक कुल 16,004 मामले सामने आ चुके हैं, जबकि पिछले वर्ष अब 13,124 केस थे, जो 2021 के मुकाबले 2880 ज्यादा हैं। इस लिहाज से आने वाले दो सप्ताह बेहद चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं, क्योंकि वर्ष 2021 के आंकड़ों पर नजर डालें, तब पता चलता है कि 15 सितंबर से 31 अक्टूबर तक पराली जलाने के कुल 13,124 मामले थे, जबकि एक नवंबर से 15 नवंबर तक इनकी संख्या 67,165 पहुंच गई थी। महज 15 दिनों में ही 54 हजार से ज्यादा केस सामने आए। यानी शुरू के 45 दिनों में 20 प्रतिशत और आखिरी 15 दिनों में 80 प्रतिशत पराली जलाई गई। 15 नवंबर तक किसान गेहूं की बुआई शुरु कर देगा, इसकारण किसान अब खेत तैयार करने के लिए जल्दी-जल्दी पराली को जलाकर खत्म करने वाले हैं।

किसान सरेआम कानून को ठेंगा दिखा रहे हैं। फील्ड में जाने वाले कृषि व राजस्व अधिकारियों को बंधक बनाया जा रहा है। खुलेआम पराली जलाने का ऐलान हो रहा है, लेकिन कोई सख्त कार्रवाई होती नहीं दिख रही। मामूली जुर्माना व रेड एंट्री की जा रही है। पिछली बार सरकार ने किसानों के विरोध को देखते हुए जुर्माना माफ कर दिया था। आठ सूत्रीय एजेंडा के नाम पर भी खानापूर्ति ही की जा रही है। हालांकि, रविवार को चार कृषि अधिकारियों को निलंबित किया गया था, लेकिन किसानों पर सरकार नर्मी ही दिखा रही है।

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) के चेयरमैन डा. आदर्शपाल विग का कहना है कि कृषि विभाग की तरफ से किसानों को पराली के सही निस्तारण के लिए मशीनें उपलब्ध करवाई जा रही हैं। पराली को फैक्ट्रियों में ईंधन के तौर पर इस्तेमाल करने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। पटियाला के गांव सिद्धूवाल के किसान का कहना है कि इस बार वर्षा के कारण धान की कटाई एक सप्ताह देरी से शुरू हुई। मशीनों से निस्तारण कर भी लेते हैं, तब बायोमास प्लांट वाले कई-कई दिन तक पराली खेत से नहीं उठाते। इससे गेहूं की बुआई में देरी हो जाएगी। पराली जलने का असर प्रदूषण पर भी दिख रहा है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने आप पार्टी को भाजपा की बी टीम बताया, गुजरात में आप का वजूद नहीं

नई दिल्ली । कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'बी-टीम' बताकर कहा कि गुजरात विधानसभा चुनाव में लड़ाई उसके और भाजपा के बीच है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि आप 2012 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) समर्थित आंदोलन से निकली थी। उन्होंने आरोप लगाया, इंडिया अगेंस्ट करप्शन आरएसएस का मुखौटा संगठन था और आप उससे निकली। उन्होंने आरोप लगाया कि आप नेता जिस तरह प्रचार कर रहे हैं, जिस तरह वे मुद्दों को उठा रहे हैं, उससे साफ हैं कि उनमें और भाजपा में कोई अंतर नहीं है। रमेश ने दावा किया कि भाजपा और आप केवल दिखावे के लिए लड़ते हैं। रमेश ने कहा, ''यह सच है कि पंजाब सरकार और दिल्ली सरकार के माध्यम से (गुजरात में) अनेक विज्ञापन किए जा रहे हैं। मीडिया में आप का बुलबुला पैदा किया गया है। लेकिन जमीनी स्तर पर आप कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों के लिहाज से देखने पर गुजरात में लड़ाई भाजपा और कांग्रेस के बीच है। कांग्रेस नेता जयराम ने आप को 'भाजपा की बी-टीम करार देकर आरोप लगाया कि अगर आप मैदान में उतरेगी, तब केवल भाजपा की मदद से कांग्रेस के वोट काटने के लिए ऐसा करेगी। एक दिन पहले ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस का गुजरात में मजबूत आधार है, वह आगामी विधानसभा चुनाव में जीतेगी। उन्होंने दलील दी थी कि गुजरात में भाजपा के खिलाफ जबरदस्त सत्ता-विरोधी लहर है और आप की 'केवल हवा' है और जमीन पर आप पार्टी को कोई समर्थन नहीं मिल रहा है।

तेलंगाना में ऊर्जा मंत्री के निजी सहायक के ठिकाने से आईटी की छापेमारी में 49 लाख नकद व दस्तावेज बरामद

नई दिल्ली । तेलंगाना में ऊर्जा मंत्री जगदीश रेड्डी के निजी सहायक प्रभाकर रेड्डी के ठिकाने पर आईटी टीम ने छापेमारी की है। नलगोंडा जिले में तेलंगाना के ऊर्जा मंत्री के निजी सहायक के घर पर आयकर विभाग ने छापेमारी कर लाखों रुपए कैश बरामद किया है। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने मंत्री के सहायक के यहां से 49 लाख रुपए नकदी और कई अहम दस्तावेज जब्त किए। आईटी विभाग के अधिकारियों ने 31 अक्टूबर को देर शाम छापेमारी शुरू की जो मंगलवार तड़के समाप्त हुई। यह छापेमारी तेलंगाना के ऊर्जा मंत्री जगदीश रेड्डी के पीए विषय प्रभाकर रेड्डी के घर पर हुई है। तेलंगाना के नलगोंडा जिले में सोमवार रात अधिकारियों ने प्रभाकर रेड्डी के घर पर छापा मारा। अधिकारियों ने मंगलवार सुबह 49 लाख रुपये नकद और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त करने के बाद छापेमारी समाप्त की। उल्लेखनीय है कि छापेमारी ऐसे वक्त में हुई है, जब नलगोंडा के मुनुगोडे निर्वाचन क्षेत्र में गुरुवार 3 नवंबर को उपचुनाव होना है। 29 अक्टूबर को भारत के चुनाव आयोग ने तेलंगाना के ऊर्जा मंत्री जगदीश रेड्डी को किसी भी सार्वजनिक सभा, सार्वजनिक जुलूस, सार्वजनिक रैलियों, रोड शो और साक्षात्कार आयोजित करने से प्रतिबंधित करने के आदेश जारी किए थे और 48 घंटे के लिए मीडिया में सार्वजनिक बयान देने से भी रोक लगा दी है।

शिवसेना के विद्रोही गुट की याचिका पर 29 नवंबर को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

मुंबई । सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र राजनीतिक संकट के संबंध में शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी समूहों द्वारा दायर याचिकाओं का एक बैच 29 नवंबर के लिए पोस्ट किया। शीर्ष अदालत ने वकीलों से मामले का संकलन पूरा करने और मुख्य मुद्दों को चार सप्ताह के भीतर विचार के लिए तैयार करने को कहा। चुनाव आयोग ने 10 अक्टूबर को शिवसेना के उद्धव और शिंदे गुट को चुनाव निशान आवंटित किया था। आयोग ने ठाकरे गुट को 'मशाल का निशान', जबकि शिंदे गुट को त्रिशूल और गदा निशान आवंटित किया है। हालांकि, एक दिन बाद चुनाव आयोग ने शिंदे गुट को 'दो तलवारों और ढाल निशान आवंटित किया। उद्धव ठाकरे के गुट वाले शिवसेना को 'शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे', जबकि शिंदे गुट को 'बालासाहेबची शिवसेना' नाम दिया गया है। चुनाव आयोग ने शिवसेना के दोनों गुटों को अंधेरी पूर्व विधानसभा उपचुनाव में पार्टी के नाम और उसके चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करने से रोक दिया था। दोनों पार्टियां शिवसेना के मूल चुनाव चिह्न धनुष बाण पर अपना दावा कर रहे हैं। आयोग ने यह अंतरिम आदेश शिंदे गुट के अनुरोध पर दिया था। शिंदे गुट ने अंधेरी पूर्व विधानसभा उपचुनाव को लेकर चुनाव चिह्न आवंटित करने की मांग की थी। एकनाथ शिंदे ने इस साल 30 जून को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके नेतृत्व में शिवसेना के एक गुट ने बगावट कर दी थी। तभी से महाराष्ट्र में शिवसेना के दोनों गुटों के बीच इस बात को लेकर खींचतान चल रही है कि असली शिवसेना कौन है या बाला साहब ठाकरे की विरासत का असली उत्तराधिकारी कौन है।

पारा लुढ़का, 426 किलोमीटर लंबे मनाली-लेह मार्ग पर सफर करना मुश्किल

मनाली । बारालाचा, शिंकुला व कुंजम दर्रों में पारा लुढ़का गया है। लेकिन सुबह व शाम सफर जोखिम भरा हो रहा है। मनाली-लेह मार्ग सहित दारचा-शिंकुला-पदुम व ग्रांफू-समदो मार्ग पर सफर करने वाले राहगीरों पर मौसम के बदलते तेवर कभी भी भारी पड़ सकते हैं। लाहुल स्पीति पुलिस ने सरचू से चेकपोस्ट हटा ली है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) का अस्थाई ट्रांजिट कैंप लेह-मनाली मार्ग पर सफर करने वालों का सहारा बना हुआ है। लेह मार्ग पर सफर करने वालों को अब मौसम का विशेष ध्यान रखना होगा। 426 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर मनाली के दारचा से लेह के उपसी तक का सफर जोखिम भरा होगा। हालात को देखते हुए लाहुल स्पीति प्रशासन ने दर्रों को आर-पार करने के लिए समय सीमा निर्धारित की है। मनाली-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग तथा दारचा-शिंकुला सड़क सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक तथा कोकसर-लोसर-काजा राजमार्ग सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे तक सभी प्रकार के वाहनों के लिए खुला रखा है। पुलिस ने शिंकुला, कुंजम व बारालाचा दर्रे में संभलकर सफर करने की सलाह दी है। वाहन चालक ने बताया कि वे काफिले में सफर को प्राथमिकता दे रहे हैं ताकि एक-दूसरे की मदद की जा सके। एसपी लाहुल स्पीति मानव वर्मा ने बताया कि निर्धारित समय के भीतर मनाली-लेह, दारचा-शिंकुला, कोकसर-लोसर काजा-राजमार्ग पर सफर करें। पांगी किलाड़ राजमार्ग भी सभी प्रकार के वाहनों के लिए खुला है। वाहन चालक दर्रों को पार करती बार समय का ध्यान रखें। मौसम की परिस्थितियों को देखकर ही सफर करें।

तुर्की से यात्रियों को लेकर आ रही नौका डूबी, दर्जनों लापता

अंकारा । तुर्की से आ रही एक नौका एविया और एंड्रोसो के द्वीप के बीच पलट गई, जिसके बाद उसमें सवार दर्जनों प्रवासी लापता हैं। घटना के बाद व्यापक खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया है। तटरक्षकों ने कहा कि यूनान की राजधानी एथेंस के पूर्व में स्थित इन द्वीपों के कफीरा जलडमरूमध्य में एक निर्जन टापू पर नौ लोग मिले हैं। सभी पुरुष हैं।

तटरक्षकों द्वारा गश्ती नौका के जरिए बचाए गए लोगों ने अधिकारियों को बताया कि नौका जब डूबी तब उसमें लगभग 68 लोग सवार थे और वे लोग तुर्की के तट पर इजमिर से रवाना हुए थे। अधिकारियों को मंगलवार तड़के नौका में सवार यात्रियों की ओर से घटना की सूचना मिली कि वे मुश्किल में हैं। हालांकि वे यह नहीं बता पाए कि वे किस जगह फंसे हुए हैं। तटरक्षकों ने कहा कि एक हेलीकॉप्टर, एक तटरक्षक गश्ती नौका और पास में तैनात दो जहाजों को खोज एवं बचाव अभियान में लगाया गया है।

शिकागो: हैलोवीन की रात हुई गोलीबारी, तीन बच्चों समेत 14 लोग घायल

शिकागो के गारफील्ड पार्क इलाके में हैलोवीन की रात को हुई गोलीबारी में तीन बच्चों समेत 14 लोग घायल हो गए। शिकागो पुलिस ने यह जानकारी दी। 'डब्ल्यूएलएस-टीवी' के अनुसार, शिकागो पुलिस अधीक्षक डेविड ब्राउन ने कहा कि इस घटना में तीन साल, 11 साल और 13 साल के तीन नाबालिग घायल हुए हैं। बाकी पीड़ित वयस्क हैं और उनकी आयु 30 से लेकर 50 साल है। इसके अलावा एक व्यक्ति कार की चपेट में आने से घायल हो गया। शिकागो दमकल विभाग ने बताया कि उसने घटनास्थल पर कम से कम 10 एम्बुलेंस भेजी थी। ब्राउन ने कहा कि कार में आए हमलावरों ने रात करीब साढ़े नौ बजे गोलीबारी की। इस घटना की एक वीडियो भी बनायी गयी है, जिसे पुलिस खंगाल रही है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि वीडियो में कम से कम दो हमलावर दिखायी दिए हैं। हालांकि, हमलावरों की संख्या इससे अधिक हो सकती है। वे भीड़ पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए दिखाई दिए। उन्होंने बताया कि घटना के पीछे के मकसद का अभी पता नहीं चला है। अभी किसी को हिरासत में नहीं लिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने अफगानिस्तान में अपराधों की जांच फिर से शुरू करने को मंजूरी दी

द हेग । अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) के न्यायाधीशों ने अभियोजक द्वारा अफगानिस्तान में युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों की जांच फिर से शुरू करने के अनुरोध को यह कहकर मंजूरी दे दी है, कि अफगान अधिकारी कथित अपराधों की सार्थक जांच नहीं कर रहे हैं। न्यायालय ने कहा कि काबुल में अधिकारियों ने यह स्थापित नहीं किया है कि ''अफगानिस्तान ने जांच की है, या जांच कर रहा है, जो अभियोजक की इच्छित जांच के पूर्ण दायरे को कवर करता है, और जो अदालत की जांच के आंशिक स्थगन को भी उचित ठहराए।'' फैसले के एक साल पहले अभियोजक करीम खान ने कहा था कि वह अफगानिस्तान में आईसीसी की जांच फिर से शुरू करना चाहते हैं, क्योंकि देश के नए तालिबान शासकों के तहत देश में वास्तविक और प्रभावी आंतरिक जांच की संभावना नहीं है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीशों ने 2020 में तत्कालीन अभियोजक फतोऊ बेनसौदा द्वारा एक जांच को मंजूरी दी, जिसमें अफगान सुरक्षा बलों, तालिबान, अमेरिकी सैनिकों और 2002 के अमेरिकी विदेशी खुफिया एजेंट द्वारा किए गए कथित अपराधों को शामिल किया गया था। अमेरिका आईसीसी का सदस्य नहीं है, और इसके अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देता है। अमेरिकी सुरक्षा बलों, कर्मियों की भूमिका की जांच करने के निर्णय के कारण तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने बेनसौदा पर प्रतिबंध लगा दिए, जो कि पद छोड़ चुकी हैं। हालांकि, अफगान अधिकारियों द्वारा मामले को संभालने के लिए कहने के बाद जांच को रोक दिया गया था। आईसीसी को 2002 में उन देशों में कथित अत्याचारों पर मुकदमा चलाने के लिए स्थापित किया गया था, जो अपराधियों को न्याय के कठघरे में नहीं ला सकते। खान ने जब पिछले साल अदालत की जांच को फिर से शुरू करने की मांग की, तब उन्होंने कहा कि वह अब तालिबान और इस्लामिक स्टेट समूह के अफगान सहयोगियों द्वारा किए गए अपराधों पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा था कि वह जांच के अन्य पहलुओं को प्राथमिकता नहीं देने वाले हैं। अमेरिकियों द्वारा अपराधों के आरोपों सहित जांच के अन्य पहलुओं को प्राथमिकता नहीं देने के अपने फैसले पर, खान ने पिछले साल कहा था कि उनका कार्यालय, सबूत सुरक्षित रखने की जिम्मेदारियों के लिए तैयार रहेगा, और ढांचे के भीतर जवाबदेही प्रयासों को बढ़ावा देगा।'' न्यायाधीशों ने सोमवार को दी अपनी व्यवस्था में कहा कि जांच फिर से शुरू करने के उनके फैसले में सभी कथित अपराध शामिल हैं, जिसका अर्थ है कि इसमें अमेरिकी कर्मियों द्वारा अपराधों के आरोप शामिल हो सकते हैं।

पाकिस्तान में देर रात आया 4.8 तीव्रता का भूकंप

- अभी तक जानमाल के किसी भी नुकसान की कोई खबर नहीं

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद से 303 किलोमीटर दूर उत्तर पश्चिम में देर रात 4.8 तीव्रता का भूकंप आया। पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर इलाके में सोमवार रात लगभग 1:15 बजे ये भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप की गहराई जमीन से 120 किमी नीचे थी। इस भूकंप से अभी तक जानमाल के किसी भी नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। पाकिस्तान के नार्थ वेस्ट में कई विनाशकारी भूकंप आ चुके हैं। जिनमें से एक 2005 में बालाकोट में आया था । इस विनाशकारी भूकंप से पूरा इलाका तबाह हो गया था। इससे बचे लोगों के लिए पाकिस्तान सरकार ने नए घर बनाने के लिए भूखंड देने का आश्वासन दिया था। 17 साल के बाद भी ये मामला अभी लटका हुआ है। जमीन आवंटन में चल रही देरी के खिलाफ लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। जब बालाकोट में भूकंप आया तो उसके बाद से बचे लोगों को अस्थायी आवासों में रखा गया है। इन अस्थायी आवासों के बारे में नाराजगी जताते हुए लोगों ने कहा कि उन्हें घातक आपदा के बाद स्थानांतरित किया गया लेकिन आज तक जरूरी सुविधाएं नहीं दी गईं।

निर्माधीन अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचा चीन का अंतिम लैब मॉड्यूल 'मेंगशन'

बीजिंग । चीन का अंतिम लैब मॉड्यूल 'मेंगशन' मंगलवार को उसके निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गया है। यह अमेरिका के साथ बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच अंतरिक्ष में अपनी दमदार मौजूदगी बनाए रखने के चीन के एक दशक से भी ज्यादा पुराने प्रयासों का हिस्सा है। मेंगशन मॉड्यूल मंगलवार सुबह तियांगोंग स्टेशन पर पहुंचा।

मेंगशन को दक्षिणी द्वीपीय प्रांत हैनान पर वेनचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से सोमवार दोपहर को भेजा गया था। इसे अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने के लिए 13 घंटे से अधिक वक्त लगा। इस मॉड्यूल के प्रक्षेपण के वक्त कई लोगों ने चीनी झंडे लहराए और चीन के पात्रों वाली टी-शर्ट पहनी, जो अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़े गहरे राष्ट्रीय गौरव को दर्शाता है।

चीन के इस अंतरिक्ष कार्यक्रम के करीबी सैन्य संबंधों का जिक्र करते हुए शंघाई राजनीतिक विज्ञान एवं कानून विश्वविद्यालय में प्रो नी लेक्सियोंग ने कहा कि यह अंतरिक्ष कार्यक्रम एक बड़े देश का प्रतीक है और चीन की राष्ट्रीय रक्षा के आधुनिकीकरण को बढ़ावा देने वाला है। उन्होंने कहा यह चीन के लोगों के विश्वास को बढ़ाने, उनमें देशभक्ति जगाने तथा सकारात्मक ऊर्जा पैदा करने वाला भी है।

मेंगशन या सेलेस्टियन ड्रीम्स चीन के निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन तियांगोंग के लिए दूसरा लैब मॉड्यूल है। दोनों तियान्हे कोर मॉड्यूल से जुड़े हैं, जहां अंतरिक्ष यात्री रहते और काम करते हैं। चीन के सबसे बड़े रॉकेट में शामिल लांग मार्च-5बी के जरिए मेंगशन का प्रक्षेपण किया गया। चीन अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, तियांगोंग में अभी दो पुरुष और एक महिला अंतरिक्ष यात्री मौजूद हैं। चेन डोंग, काई शुझे और लियु यांग छह महीने के अभियान पर जून की शुरुआत में अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचे थे। वे स्टेशन के निर्माण का काम पूरा करेंगे, अंतरिक्ष में चहलकदमी और अतिरिक्त प्रयोग करेंगे। मेंगशन का वजन करीब 23 टन, ऊंचाई 58.7 फुट और मोटाई 13.8 फुट है।

चीन के निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन के दूसरे लैब घटक के रूप में मेंगशन मॉड्यूल में वैज्ञानिक उपकरणों का इस्तेमाल सूक्ष्म गुरुत्व का अध्ययन करने और द्रव भौतिकी, पदार्थ विज्ञान और मौलिक भौतिकी आदि में प्रयोग करने में किया जाएगा। चीन की अगले साल शुनशन अंतरिक्ष दूरबीन भेजने की योजना है, जो तियांगोंग का हिस्सा नहीं है, लेकिन यह स्टेशन की कक्षा की परिक्रमा करेगी और उसकी देखरेख पर नजर रखेगी। चीन के इस अंतरिक्ष कार्यक्रम का संचालन सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य इकाई कर रही है।

अमेरिका ने चीन को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र से बाहर रखा है क्योंकि उसके कार्यक्रम का सेना से संबंध है। इसके बावजूद चीन, मेंगशन पर प्रयोगों के लिए यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के साथ भागीदारी कर रहा है तथा फ्रांस, जर्मनी, इटली, पाकिस्तान के साथ कई परियोजनाओं पर काम कर रहा है।

क्यूज़ोन सिटी, फिलीपींस हमें विभिन्न पोशाक पहने हुए क्यूज़ोन सिटी, फिलीपींस हैलोवीन ट्रिक या ट्रीट गतिविधियों में भाग लेते हुए।

शी की कोविड पॉलिसी के विरोध में स्थानीय लोग गा रहे मिथुन चक्रवर्ती का मशहूर गाना जिम्मी, जिम्मी'

बीजिंग । चीन के कई राज्य इन दिनों कोरोना संक्रमण की चपेट में हैं। हाल ही में देश के कई हिस्सों में कोरोना के दो नए सब वैरिएंट मिले थे। कोरोना के बाद से चीन शुरू से ही जीरो कोविड लॉकडाउन पॉलिसी अपना रहा है। इस बीच, चीन के लोग कोविड लॉकडाउन में मिथुन चक्रवर्ती-स्टारर डिस्को डांसर फिल्म का गाना 'जिम्मी, जिम्मी' गा रहे हैं। यह गाना दिवंगत संगीतकार बप्पी लहरी का बेहद हिट गाना है। 'जिम्मी, जिम्मी चीन में लोगों के लिए कोविड लॉकडाउन का विरोध करने के लिए एक नया गाना बन गया है। टिकटॉक और अन्य इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई वीडियो वायरल हुए जिनमें लॉकडाउन का सामना कर रहे चीनी लोग देश की सख्त जीरो-कोविड नीति पर अपना गुस्सा और निराशा व्यक्त करने के लिए बप्पी दा के गाने का उपयोग करते हुए दिखाई दे रहे हैं। बप्पी दा के संगीत में तैयार पार्वती खान की आवाज में 'जिम्मी-जिम्मी गाना गाया गया है। चीन में हिट गाने को मंडारीन भाषा 'जी मी, जी मी में बनाया गया है। इसका मतलब 'मुझे चावल दो, मुझे चावल दो' होता है। इस गाने के साथ ही लोग वीडियो में खाली बर्तन पीट रहे हैं। गाने के साथ प्रदर्शन कर रहे लोग यह दिखाना चाह रहे हैं कि कैसे वे लॉकडाउन के दौरान आवश्यक खाद्य पदार्थों से वंचित हैं। यह लोग सरकार से कोविड लॉकडाउन के कठोर प्रतिबंधों को हटाने की अपील कर रहे हैं। बता दें कि पिछले महीने देश की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी और उसके नेता शी चिनफिंग ने संकेत दिया था कि जीरो कोविड नीति में कोई ढील नहीं दी जाएगी।

यूएस में हो सकती है ट्रम्प की वापसी

- सर्वे में लगभग 80 प्रतिशत अमेरिकियों ने बाइडेन को नकारा!

वाशिंगटन (एजेंसी)।

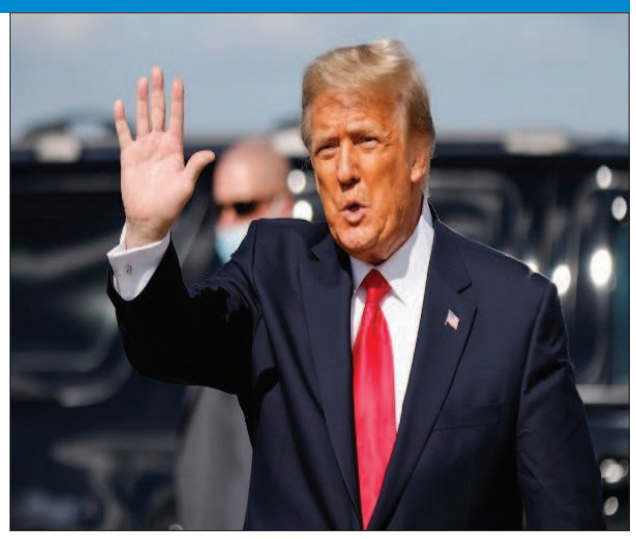

अमेरिका में आ रहे मिड टर्म चुनावों के बीच हुए एक नए सर्वे ने बाइडेन सरकार की चिंता को बढ़ा दिया है। सोमवार को आए एक सर्वे के अनुसार दस में से लगभग आठ अमेरिकियों का मानना है कि सरकार अपने नियंत्रण में नहीं है। आठ नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले आये इस सर्वे में पाया गया कि 79 फीसदी लोग वर्तमान स्थिति को नियंत्रण से बाहर के रूप में देख रहे हैं, जबकि 21 फीसदी इस बात से असहमत थे। वहीं 73 फीसदी संभावित मतदाता अमेरिका में चीजों को कुछ हद तक या बहुत बुरी तरह से खराब होता हुआ देखते हैं, महज 26 फीसदी ही बाइडेन को लेकर आशावादी दिखे। सर्वे में 56 फीसदी लोगों ने बाइडेन को राष्ट्रपति के तौर पर नकार दिया है। जबकि 44 फीसदी ने उनके प्रदर्शन के बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण रखा। सर्वे के अनुसार रिपब्लिकन सदन में अधिकांश सीटें जीतने की अच्छी स्थिति में हैं। सर्वे के बेसलाइन मॉडल में रिपब्लिकन 228 सीटों पर आगे हैं जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी के पास सिर्फ 207 सीटें आती दिख रही हैं। सर्वे में मतदाताओं ने बताया कि यदि रिपब्लिकन जीत जाते हैं, तो आधे से अधिक मतदाता उम्मीद करते हैं कि वे अमेरिकी ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि पर जोर देंगे, बिडेन पर महाभियोग लाएंगे, गर्भपात पर प्रतिबंध लगाएंगे और चुनावों में डेमोक्रेटिक जीत को उलट देंगे। इस बीच यदि डेमोक्रेट्स सदन में बहुमत बनाए रखते हैं, तो उत्तरदाताओं से अपेक्षा है कि वे गर्भपात के राष्ट्रीय अधिकार की गारंटी देने वाला कानून पारित करने का प्रयास करें, मेक्सिको के साथ सीमा खोलें, पुलिस फंडिंग में कटौती करें और सामाजिक सुरक्षा बढ़ाएं।

यूक्रेन को परमाणु बम बनाने में मदद कर रहा पाक: इगोर मोरोजोव

मास्को (एजेंसी)।

रूस और यूक्रेन की बीच भीषण युद्ध जारी है। इसमें पाकिस्तान भी आ गया है। यूक्रेन की सेना को तोप के गोले सप्लाइ कर रहे पाकिस्तान को लेकर रूस के सांसद ने सनसनीखेज दावा किया है। रूसी सांसद इगोर मोरोजोव ने कहा है कि यूक्रेन और पाकिस्तान ने परमाणु हथियार बनाने की तकनीक के बारे में चर्चा की है। इगोर रूस के रक्षा कमिटी फेडरेशन कार्उसिल के सदस्य हैं।

इससे पहले पाकिस्तान पर उत्तर कोरिया और लीबिया जैसे देशों को परमाणु तकनीक बेचने का खुलासा हो चुका है। इगोर ने कहा यूक्रेन के विशेषज्ञों ने पाकिस्तान की यात्रा की है और इस्लामाबाद से भी एक प्रतिनिधिमंडल यूक्रेन गया है, ताकि परमाणु बम बनाने की तकनीक पर चर्चा की जा सके। उन्होंने यूक्रेन के परमाणु बम को लेकर आयोजित पत्रकार सम्मेलन में यह दावा किया।

रूस ने यह दावा ऐसे समय पर किया है जब उसने यूक्रेन पर डर्टी बम के इस्तेमाल करने की तैयारी की दलील को तेज कर दिया है। रूसी सांसद ने दावा किया कि यूक्रेन की डर्टी बम बनाने की क्षमता किसी से छिपी नहीं है। हालांकि उन्होंने कहा कि वित्तपोषण का मुद्दा मूल है। उन्होंने यूक्रेन के डर्टी बम की चर्चा के दौरान कहा कि यूक्रेन का खतरा वास्तविक है। इगोर ने कहा यूक्रेन अपने बम का इस्तेमाल करने के लिएटोचका यू का इस्तेमाल कम क्षमता के परमाणु हमले के लिए कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका की संसद ने इस बात की अनुमति दी है कि राष्ट्रपति कम क्षमता के परमाणु बम का दुनिया में कहीं भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इगोर ने इस बात की आशंका को खारिज नहीं किया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने ब्रिटेन और अमेरिकी सहयोगियों से परमाणु हथियारों के बारे में चर्चा की हो। रूसी नेता ने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया है। पाकिस्तानी कंपनी ने यूक्रेन को हथियार और गोला बारूद की सप्लाइ की है। पाकिस्तान यूक्रेन की सेना को ग्लव्स की भी सप्लाइ कर रहा है। रूसी नेता का अगर दावा सही है तो एक बार फिर से कंगाल पाकिस्तान की सेना परमाणु बम की तकनीक बेचकर पैसा कमाने की फिराक में है।

रुस ने कहा, काला सागर से गुजर रहे जहाजों को नियंत्रित करने के लिए स्वयं कदम उठाएगा

कीव (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र में रूसी राजदूत वसीली नेबेंजिया ने यूक्रेन पर काला सागर के शिपिंग कॉरिडोर' का इस्तेमाल, उसके बेड़े के खिलाफ 'सैन्य और नुकसान पहुंचाने के मकसद से, विश्व बाजारों तक अनाज पहुंचाने के लिए करने का आरोप लगाकर कहा कि इसकारण है कि उसने अनाज समझौते को निलंबित कर दिया। रूस ने साथ ही आगाह किया कि वह उसकी मंजूरी के बिना जाहजों की आवाजाही की अनुमति नहीं देगा। रूस द्वारा बुलाई गई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में नेबेंजिया ने कहा, काला सागर संघर्ष का क्षेत्र बना हुआ है और हम अपने निरीक्षण के बिना जहाजों के निर्बाध मार्ग की अनुमति नहीं दे सकते।''

उन्होंने कहा कि रूस वहां से गुजर रहे जहाजों को नियंत्रित करने के लिए स्वयं कदम उठाएगा, हालांकि इस संबंध में उन्होंने कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। नेबेंजिया ने यूक्रेन पर पश्चिमी ताकतों खासकर ब्रिटेन की मदद से मानवीय आनाज गलियारे की आड़ में'' रूस के काला सागर बेड़े और सेवस्तोपोल के बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर हवाई और समुद्री हमले'' करने का आरोप लगाया। ये हमले 29 अक्टूबर की सुबह किए गए। संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से यूक्रेन से विश्व बाजारों में अनाज पहुंचाने के लिए रूस इस समझौते पर सहमत हुआ था। रूस ने हमलों का आरोप लगाते हुए यूक्रेन से अनाज का निर्यात करने के समझौते को निलंबित करने की घोषणा की है।

राष्ट्रपति हर्जोग ने येरुशलम में डाला वोट, कहा राजनीतिक गतिरोध तोड़ने के लिए मतदान जरूर करें

-इजराइल में 4 साल से भी कम समय में 5वीं बार हो रहा आम चुनाव

येरुशलम(एजेंसी)।

इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने मंगलवार सुबह येरुशलम में मतदान करते हुए नागरिकों को ऐसे समय में अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने का आग्रह किया, जब कई देशों में अरबों लोग इस अहम लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित हैं। इजराइल में राजनीतिक गतिरोध तोड़ने के लिए हो रहे आम चुनावों के लिए मंगलवार सुबह मतदान शुरू हुआ। चार साल से भी कम समय में पांचवीं बार आम चुनाव कराए जा रहे हैं।

मतदान केंद्र स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे खुले, मतदान प्रक्रिया रात 10 बजे तक चलेगी लेकिन आधिकारिक नतीजे बुधवार तक आने की संभावना नहीं है। सरकार बनाने की प्रक्रिया हफ्तों तक चल सकती है। हर्जोग ने कहा इजराइल सच्चा लोकतंत्र है। लाखों मतदाता आज वोट डालने तथा देश का भविष्य एवं दिशा तय करने जाएंगे। यह एक समृद्ध लोकतंत्र हैं, जिसमें कई आवाजें हैं। इजराइल के करीब 67.8 लाख नागरिक मतदान के योग्य हैं और वे 25वीं इजराइली संसद (नेसेट) का चुनाव करेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा हमें इस बड़े अधिकार का हमेशा सम्मान करना चाहिए, क्योंकि कई सारे देश तथा अरबों लोग हैं जो दुर्भाग्यपूर्ण रूप से इस अधिकार से वंचित हैं। प्रधानमंत्री येर लापिद ने अपनी पत्नी लिही के साथ तेल अवीव में अपने आवास के समीप स्थित मतदान केंद्र पर वोट डाला। उन्होंने अपनी पार्टी 'येश आतिद' को चुनने का परोक्ष संदेश देते हुए कहा सुप्रभात, समझदारी से वोट डालें। इजराइल के लिए, हमारे बच्चों के भविष्य और हमारे भविष्य के लिए वोट डालें।

'हकीकी आजादी' मार्च ने इमरान खान की बढ़ाई ताकत, पाकिस्तान निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ उठाएंगे कड़ा कदम

इस्लामाबाद।(एजेंसी)।

पाकिस्तान में इस समय राजनीतिक कोहराम मचा हुआ हैं। पाकिस्तान की आवाम में इमरान खान के लिए प्रेम है और लोगों के अंदर इमरान के लिए सहानुभूति भी हैं। इसका एक नजारा इमरान खान की लॉन्ग मार्च के दौरान इकट्ठा हुई भीड़ से देखने को मिला हैं। लाहौर से इस्लामाबाद की ओर कूच करने वाली इमरान खान की लॉन्ग मार्च ने मौजूदा शहबाज सरकार की नाक में दम कर दिया हैं। इमरान खान की इस मार्च के पीछे का कारण है मुल्क में दौबारा चुनाव जल्द से जल्द करवाने का। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपनी सत्ता को पाने के लिए कड़ा संघर्ष किया हैं। ऐसे में मौजूदा सरकार ने इमरान खान का छवि को खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी हैं। इमरान खान की संसद सदस्यता तक को खत्म करवा दिया गया। अपने खिलाफ की गयी सभी कृत्यों को लेकर इमरान खान एक्शन में आ गये हैं।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त को निशाना बनाया और कहा कि उन्हें (खान को) अयोग्य घोषित कर उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने को लेकर उनके खिलाफ वह 10 अरब रुपये का मानहानि का एक मुकदमा करेंगे। अपदस्थ प्रधानमंत्री ने अपने 'लॉग मार्च' के चौथे दिन की शुरूआत पर समर्थकों को संबोधित करते हुए यह कहा। खान ने ऐलान किया कि उनका मकसद इस्लामाबाद तक मार्च कर हकीकी आजादी (असली आजादी) हासिल करना है, जो तभी संभव होगा जब स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव शीघ्र कराये जाएंगे।

पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) की पांच सदस्यीय एक समिति ने खान(70) को इस महीने की शुरूआत में मौजूदा नेशनल असेंबली की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया था। समिति के अध्यक्ष सिकंदर सुलतान रजा हैं जो देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं। खान ने कामोनकी में अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, ''सिकंदर सुल्तान, मैं आपको अदालत ले जाऊंगा...ताकि भविष्य में आप किसी के निर्देश पर किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान नहीं पहुंचाएं। '' उन्होंने आरोप लगाया कि तोशाखाना और निषिद्ध फंडिंग मामले में उनके खिलाफ ईसीपी के फैसले मौजूदा सरकार के निर्देश पर दिये गये।

उन्होंने कहा, ''आप (सिकंदर) चोरों के दोस्त हैं और कार्रवाई की जाएगी।'' पाकिस्तान के कानून के मुताबिक, अन्य देशों के किसी गणमान्य व्यक्ति से मिलने वाला कोई तोहफा अवश्य ही तोशाखाना में रखा जाना चाहिए। पूर्व प्रधानमंत्री ने इससे पहले घोषणा की थी कि वह रजा के खिलाफ मानहानि का एक मामला दर्ज करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री ने एक निजी टेलीविजन चैनल से बातचीत करते हुए यह घोषणा की। उन्होंने देश के शक्तिशाली

प्रतिष्ठान को भी निशाना बनाते हुए कहा कि किसी देश के ''प्रतिष्ठान को कभी राष्ट्र के खिलाफ नहीं होना चाहिए।

आपको बता दें कि आंतरिक सूत्रों का कहना है कि इमरान की मार्च से शहबाज शरीफ का खेमा हिल गया है और वह कुछ भी करके मार्च को खत्म करना चाहता हैं। भीड़ को देखते हुए 13000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया हैं। वहीं मीडिया को भी कवरेज करने से रोका जा रहा हैं। इस्लामाबाद पुलिस ने एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए होटलों और अतिथि गृहों को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की अगुवाई वाली रैली में हिस्सा लेने वाले उनके समर्थकों को ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराने से रोक दिया। इमरान खान देश में फिर से जनरल चुनाव करवाना चाहते हैं। इमराम को विश्वास है कि पाकिस्तान की आवाम उनका साथ देगी क्योंकि शहबाज शरीफ ने आइन (संविधान) का अपमान किया हैं।

संपादकीय

मोरबी पुल टूटने की सजा किसे?

जो लोग मरे हैं, उनके परिजन 6 लाख रु. के ब्याज से अपना घर कैसे चलाएंगे? कई परिवार बिल्कुल अनाथ हो गए हैं। सबसे ज्यादा महिलाएं और बच्चों की मौत हुई है। कोई आश्चर्य नहीं कि उस पुल के हादसे में मृतकों की संख्या अभी और बढ़ जाए।

(लेखक डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

गुजरात के मोरबी में जो पुल टूटा है, उसमें लगभग पौने दौ सौ लोगों की जान चली गई और सैकड़ों लोग घायल हो गए। मृतकों के परिजनों को केंद्र और गुजरात की सरकारें 6-6 लाख रु. का मुआवजा दे रही हैं और घायलों को 50-50 हजार का लेकिन यहां मूल प्रश्न यह है कि क्या सरकार की जिम्मेदारी सिर्फ इतनी ही है? जो लोग मरे हैं, उनके परिजन 6 लाख रु. के ब्याज से अपना घर कैसे चलाएंगे? कई परिवार बिल्कुल अनाथ हो गए हैं। सबसे ज्यादा महिलाएं और बच्चों की मौत हुई है। कोई आश्चर्य नहीं कि उस पुल के हादसे में मृतकों की संख्या अभी और बढ़ जाए। लगभग 200 साल पुराने इस पुल की हालत काफी खस्ता थी। कई बार उस पर टूट-फूट हो चुकी है। गुजरात सरकार ने इस पुल के संचालन का ठेका एक गुजराती कंपनी को दिया था। पुल पर आने वाले हर यात्री को वह 17 रुपए का टिकट बेचती थी। लगभग 100 लोगों के एक साथ पुल पर जाने की सुविधा थी लेकिन उस दिन कंपनी ने लालच में फंसकर लगभग 500 टिकट बेच दिए। पिछले सात महिने से उसकी मरम्मत का काम जारी था। अब छठ पूजा के नाम पर 26 अक्तूबर को यह पुल यात्रियों के लिए खोल दिया गया। पिछले चार-पांच दिनों में सैकड़ों लोग उस पुल पर जमा होते रहे लेकिन कल शाम वह अचानक बीच में से टूट गया। सैकड़ों लोग इसलिए मौत के घाट उतर गए और घायल हो गए कि ऐसी दुर्घटना की संभावना के विरुद्ध कोई सावधानी नहीं बरती गई। यह सावधानी किसे रखनी चाहिए थी? गुजरात सरकार को लेकिन गुजरात के अधिकारियों का कहना है कि उस पुल को खोलने की अनुमति उन्होंने नहीं दी थी। ठेकेदार ने अपनी मर्जी से ही पुल खोल दिया था। यदि ठेकेदार ने पुल खोल दिया तो स्थानीय अधिकारी क्या ऊंघ रहे थे? उन्होंने क्यों नहीं जांच की? क्यों नहीं प्रमाण-पत्र मांगा? क्यों नहीं ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की? जाहिर है कि सरकार और ठेकेदार दोनों ही इस सामूहिक हत्याकांड के लिए समान रूप से जिम्मेदार हैं। यह ठीक है कि कल शाम से गुजरात के मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार ने भी यात्रियों को बचाने में जमीन-आसमान एक कर रखा है लेकिन इस दुर्घटना ने गुजरात सरकार के मस्तक पर काला टीका लगा दिया है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के विभिन्न समारोहों में तरह-तरह के भाषण देते फिर रहे हैं लेकिन उनकी कौन सुन रहा है। टीवी दर्शक भी उनके भाषणों के बजाय मोरबी-दुर्घटना के बारे में ज्यादा देखना, सुनना और पढ़ना चाह रहे हैं। उनके इन भाषणों से भी ज्यादा उनका वह भाषण इंटरनेट पर करोड़ों लोग सुन रहे हैं, जो उन्होंने पश्चिमी बंगाल में हुए चुनाव के पहले दिया था। उस समय बंगाल में भी एक पुल टूटा था। उस समय मोदी ने कहा था कि यह दुर्घटना 'गॉड' की नहीं, ममता सरकार के 'फ्रॉड' की है। तुकबंदी के शौकीन मोदी पर यह जुमला काफी भारी पड़ रहा है। यह असंभव नहीं कि उनके इस भाषण का उपयोग या दुरूपयोग अब 'आप पार्टी' गुजरात के आसन्न चुनाव में जमकर करेगी। पक्ष और विपक्ष के नेता मृतकों के प्रति जितनी औष्ठिक सहानुभूति बता रहे हैं, उससे ज्यादा वे एक-दूसरे पर प्रहार करने में जुटे हुए हैं। जो हुआ, सो हुआ लेकिन पुल की संचालक उस कंपनी को न केवल विसर्जित किया जाना चाहिए बल्कि उसके मालिक और दोषी प्रबंधकों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए और उसकी सारी संपत्ति छीनकर हताहतों के परिजनों में बांट दी जानी चाहिए। जो स्थानीय सरकारी अधिकारी उपेक्षा के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें भी तत्काल नौकरी से मुक्त किया जाना चाहिए।

सूक्ति

मनुष्य जितना ज्ञान में घुल गया हो उतना ही कर्म के रंग में रंग जाता है।
- विनोबा भावे

युवावस्था आवेशमय होती है, वह प्रोध से आग हो जाती है तो करुणा से पानी भी।
- प्रेमचंद

लॉफिंग ज़ोन

एक प्रत्याशी ने अपने परिचित वोटर के घर जाकर कहा, 'भैया, ख्याल रखना, मैं खड़ा हूं.'

वोटर ने कोने में रखी कुर्सी की ओर संकेत करते हुए कहा, 'आप खड़े क्यों हैं, बैठ जाइए.'

☺ ☺ ☺

आदमी ने अपनी विवाहिता नवयुवती से बड़े प्यार से कहा, 'अब यह घर तुम्हारा है. हर पल इसे सजाने-संवारने की जिम्मेदारी अब तुम्हारी है.'

नवयुवती पत्नी तुनक उठी, 'तो फिर मैं अपना मेक-अप कब करूँगी?'

☺ ☺ ☺

आजीवन कुँवारा रहने का फैसला करने और फिर उस पर डटे रहने वाले व्यक्ति ने साक्षात्कार के समय अपने उस फैसले का कारण कुछ इन शब्दों में बयान किया-

'मैं विवाह के लिए तैयार था, बल्कि विवाह का सारा इन्तजाम हो चुका था कि एक दिन मैंने अपने ससुर को अपनी होने वाली सास के हाथ से पिटते हुए देखा और नसीहत ग्रहण कर ली.'

☺ ☺ ☺

प्रेमिका ने बेरोजगार प्रेमी से बड़े प्रेम से पूछा - तुम निकट भविष्य में क्या बनना पसंद करोगे?

बेरोजगार प्रेमी ने तड़ से जवाब दिया- तुम्हारा पति.

☺ ☺ ☺

जीवन में स्थायी बने राष्ट्रप्रेम का भाव

दिल्ली, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में आयोजित सम्मेलनों में सांप्रदायिकता फैलाने की कोशिशों के मद्देनजर उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में एक गंभीर और महत्वपूर्ण टिप्पणी की है कि पुलिस का दायित्व है कि वह आगे बढ़कर ऐसी कोशिशों के दोषियों को दंड दिलवाने का काम करे। कई बार हमने देखा है कि पुलिस 'किसी ने शिकायत नहीं की' का हवाला देकर अपनी निष्क्रियता अथवा पक्षधरता का बचाव करने लगती है। इस संदर्भ में उच्चतम न्यायालय की यह टिप्पणी बहुत कुछ कहने वाली है कि ऐसे मामलों में पुलिस को अपनी ओर से पहल करके अभियुक्तों को अदालत तक पहुंचाना चाहिए।

विश्वनाथ सचदेव

भारत और पाकिस्तान का क्रिकेट मुकाबला हमेशा ही रोमांचक होता है, पर इस बार ऑस्ट्रेलिया में हो रहे टी-20 विश्वकप के अपने पहले ही मैच में पाकिस्तान पर भारत की जीत कुछ विशेष ही रोमांचक थी। उन करोड़ों भारतीयों में मैं भी था जो इस मुकाबले को टीवी पर देखकर रोमांचित हो रहे थे। पर यदि आप मुझसे पूछें कि मुकाबले का सबसे रोमांचक क्षण कौन-सा था तो मैं स्टेडियम में उपस्थित हजारों भारतीयों द्वारा किये गये राष्ट्रगान के सामूहिक पाठ के अवसर का नाम लूंगा। मैं इस सामूहिक गान को 'लाइव' नहीं देख पाया था। आखिरी गेंद पर मिली विजय के बाद में पठान, गावस्कर और श्रीकांत की तरह खुशी मना रहा था। बाद में टीवी पर उस सामूहिक राष्ट्रगान के दृश्य दिखाये गये थे। जन-गण-मन के साथ मैदान में लहराते तिरंगे को देखना भावुक बना देने वाला था। यह भावुकता दर्शकों के राष्ट्रप्रेम को दर्शाने वाली थी। और आज मैं सोच रहा हूं भावुकता का यह सैलाब सच्चा है या हमारे राजनेताओं द्वारा धर्म और जाति के नाम पर फैलाई जाने वाली पारस्परिक कटुता? नहीं, यह कतई सही नहीं है कि हमारे देश में फैलाई जाने वाली सांप्रदायिकता हमारा स्थाई भाव है। विभिन्न धर्मों, जातियों, भाषाओं, वर्गों वाला भारत निश्चित रूप से विभिन्नता में एकता का एक उदाहरण है। हमारी यह विभिन्नता हमारी ताकत है। लेकिन इस हकीकत से भी इन्कार नहीं किया जा सकता कि राजनीतिक स्वार्थों के चलते या फिर स्वयं को दूसरे से अधिक भारतीय समझने के भ्रम में जब-तब देश में सांप्रदायिकता की आग हमें झुलसा जाती है। इस हकीकत से आंखें नहीं चुरायी जा सकतीं कि कभी हमारे सर्वोच्च राजनेता लोगों को कपड़ों से उन्हें पहचानने की बात कहकर भारतीय समाज को बांटने की कोशिश करते और कभी हमारे धार्मिक नेता किसी समाज के सामूहिक बहिष्कार का आह्वान करते दिखते हैं। दिल्ली, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में आयोजित सम्मेलनों में सांप्रदायिकता फैलाने की कोशिशों के मद्देनजर उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में एक गंभीर और महत्वपूर्ण टिप्पणी की है कि पुलिस का दायित्व है कि वह आगे बढ़कर ऐसी कोशिशों के दोषियों को दंड दिलवाने का काम करे। कई बार हमने देखा है कि पुलिस 'किसी ने शिकायत नहीं की' का हवाला देकर अपनी निष्क्रियता अथवा पक्षधरता का बचाव करने लगती है। इस संदर्भ में उच्चतम न्यायालय की यह टिप्पणी बहुत कुछ कहने वाली है कि ऐसे मामलों में पुलिस को अपनी ओर से पहल करके अभियुक्तों को अदालत तक पहुंचाना चाहिए। इस टिप्पणी का सिर्फ एक ही अर्थ है कि सांप्रदायिकता फैलाने वाली कोशिशों को असफल बनाने के ईमानदार प्रयास का अभाव दिख रहा है समाज में। पिछले दिनों एक टीवी डिबेट में एक राजनीतिक दल के प्रवक्ता ने सांप्रदायिकता फैलाने वाले उद्गारों या 'हेट स्पीच' का बचाव करते हुए यह तर्क दिया था कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में भी ऐसा होता रहा है। प्रवक्ता की बात ग़लत नहीं है, पर अपने बचाव का यह तरीका भी किसी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। यह बात हास्यास्पद ही नहीं, खतरनाक भी है कि अपनी मैली कमीज़ के बचाव में हम दूसरे की कमीज़ के दाग दिखाने लग जाते हैं। सने 2002 के गुजरात की हिंसा की बात की जाती है तो वर्ष 1984 के दिल्ली-दंगों की याद दिलाना ज़रूरी समझता है हमारा नेतृत्व! दिल्ली में जो कुछ हुआ था उसका बचाव किसी भी दृष्टि से नहीं किया जा सकता, लेकिन यदि उसे ढाल बनाकर गुजरात की हिंसा का बचाव करने की कोशिश होती है तो उसे भी किसी अपराध से कम नहीं माना जाना चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में पूरा विश्वास जताते हुए भी यह कहना ज़रूरी लग रहा है कि अपने शब्दों से हिंसा की आग को भड़काना भी एक जघन्य अपराध है। दुर्भाग्य से यह अपराध हम अपने देश में बार-बार होते देख रहे हैं। और इस अपराध में हमारे राजनेता, हमारे धर्मगुरु, हमारे सामाजिक कार्यकर्ता सब शामिल हैं कभी 'सिर तन से जुदा' करने का नारा लगता है और कभी देश के गद्दारों को गोली मारने का आह्वान किया जाता है। हैरानी की बात तो यह है कि ऐसी हर कोशिश के बाद यह सफाई दी जाती है कि किसी धर्म या जाति का नाम नहीं लिया गया! यह कैसा बचाव है? कौन नहीं समझता कि जब 'गोली मारो सालों को' नारा लगाया गया तो निशाने पर कौन था? और जब सिर्फ तन से जुदा की बात की जाती है तो अभिप्राय किससे होता है? बात बहुत सीधी है, धर्म के नाम पर हिंसा फैलाने की हर कोशिश अपने आप में एक गंभीर अपराध है। जो भी यह कोशिश कर रहा है, वह देश का दुश्मन है, मनुष्यता का भी। ऐसा करने वालों को उनके अपराध की सज़ा मिलनी ही चाहिए। हिंदू या मुसलमान या अन्य किसी भी धर्म को मानने वाला यदि भारतीय समाज में ज़हर घोलता है तो उसे अपराधी ही माना जाना चाहिए। उसे उचित सज़ा मिलनी चाहिए। और कोई प्रावधान ऐसा भी होना चाहिए हमारी व्यवस्था में कि सज़ा मिलने में अनावश्यक विलंब न हो। न्याय में देरी का मतलब न्याय का न मिलना ही है। वहीं बिलकिस बानो के मामले में गुजरात में 11 अपराधियों की सज़ा माफ करने का मामला भी विचारणीय है। उन्हें न केवल माफी दे दी गयी, बल्कि समाज में सम्मानित भी किया गया! यह अपने आप में किसी अपराध से कम नहीं है। कोई सज़ा इस अपराध की भी होनी चाहिए। 'हेट स्पीच' और अपराधियों की रिहाई वाले मामले विचाराधीन हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस समूचे संदर्भ में कानून अपना काम करेगा, लेकिन एक जनतांत्रिक देश में कुछ दायित्व देश के नागरिक का भी होता है। हर जागरूक और विवेकशील नागरिक से यह अपेक्षा की जाती है कि वह समाज में घृणा फैलाने की कोशिशों का मुकाबला करने में पहल करे। अपने देश पर, अपनी परंपराओं पर, अपनी साझा संस्कृति पर गर्व होना चाहिए हमें। उस दिन मेलबर्न में हुए क्रिकेट मुकाबले में सामूहिक राष्ट्रगान के समय छलकी राष्ट्रप्रेम की भावना हमारे जीवन में एक स्थाई भाव बननी चाहिए। भारतीय समाज को किसी भी तरह से बांटने की कोई भी कोशिश हमें स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। और जो भी ऐसी कोशिश करता है, वह देश का अपराधी है। अन्य दृष्टियों से अपराधी कितना या कैसा भी बड़ा क्यों न हो, है वह अपराधी ही। ऐसे किसी भी अपराधी के लिए किसी भी तरह का सम्मान-भाव देश और समाज के प्रति हमारी निष्ठा में कमी का ही द्योतक है। हमारी निष्ठा उस संविधान के प्रति होनी चाहिए जो हमें, यानी हर भारतीय को, 'भारत भाग्य विधाता' बनाता है। यह हमें तय करना है कि हम कैसा भारत चाहते हैं- घृणा में जलता या प्रेम में पलता!

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

रहने लायक नहीं रहेगी यह धरा यदि प्रकृति का शोषण इसी रफ्तार से चलता रहा

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

भारतीय हिंदू सनातन संस्कृति हमें यह सिखाती है कि आर्थिक विकास के लिए प्रकृति का दोहन करना चाहिए न कि शोषण। परंतु, आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में पूरे विश्व में आज प्रकृति का शोषण किया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग कर प्रकृति से अपनी आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत ही आसानी से की जा सकती है परंतु दुर्भाग्य से आवश्यकता से अधिक वस्तुओं के उपयोग एवं इन वस्तुओं के संग्रहण के चलते प्राकृतिक संसाधनों के शोषण करने के लिए जैसे मजबूर हो गए हैं। ऐसा कहा जाता है कि जिस गति से विकसित देशों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का शोषण किया जा रहा है, उसी गति से यदि विकासशील एवं अविकसित देश भी प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने लगे तो इसके लिए केवल एक धरा से काम चलने वाला नहीं है बल्कि शीघ्र ही हमें इस प्रकार की चार धराओं की आवश्यकता होगी। एक अनुमान के अनुसार जिस गति से कोयला, गैस एवं तेल आदि संसाधनों का इस्तेमाल पूरे विश्व में किया जा रहा है इसके चलते शीघ्र ही आने वाले कुछ वर्षों में इनके भंडार समाप्त होने की कगार तक पहुंच सकते हैं। बीपी स्टेटिस्टिकल रिव्यू ऑफ वर्ल्ड एनर्जी रिपोर्ट 2016 के अनुसार दुनिया में जिस तेजी से गैस भंडार का इस्तेमाल हो रहा है, यदि यही गति जारी रही, तो प्राकृतिक गैस के भंडार आगे आने वाले 52 वर्षों में समाप्त हो जाएंगें। फॉसिल फ्यूल में कोयले के भंडार सबसे अधिक मात्रा में उपलब्ध हैं। परंतु विकसित एवं अन्य देश इसका जिस तेज गति से उपयोग कर रहे है, यदि यही गति जारी रही तो कोयले के भंडार दुनिया में आगे आने वाले 114 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। एक अन्य अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक व्यक्ति औसतन प्रतिमाह 15 लीटर से अधिक तेल की खपत कर रहा है। धरती के पास अब केवल 53 साल का ही ऑइल रिजर्व शेष है। भूमि की उर्वरा शक्ति भी बहुत तेजी से घटती जा रही है। पिछले 40 वर्षों में कृषि योग्य 33 प्रतिशत भूमि या तो बंजर हो चुकी है अथवा उसकी उर्वरा शक्ति बहुत कम हो गई है। जिसके चलते पिछले 20 वर्षों में दुनिया में कृषि उत्पादकता लगभग 20 प्रतिशत तक घट गई है। दुनिया में जितना भी पानी है, उसमें से 97.5 प्रतिशत समुद्र में है, जो खारा है। 1.5 प्रतिशत बर्फ के रूप में उपलब्ध है। केवल 1 प्रतिशत पानी ही पीने योग्य उपलब्ध है। वर्ष 2025 तक भारत की आधी और दुनिया की 1.8 अरब आबादी के पास पीने योग्य पानी उपलब्ध नहीं होगा। विश्व स्तर के अनेक संगठनों ने कहा है कि अगला युद्ध अब पानी के लिए लड़ा जाएगा। अर्थात पीने के मीठे पानी का अकाल पड़ने की पूरी सम्भावना है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पानी के पानी के लिए केवल विभिन्न देशों के बीच ही युद्ध नहीं होंगे बल्कि हर गांव, हर गली-मोहल्ले में पानी के लिए युद्ध होंगे। पर हम इसके बारे में अभी तक जागरुक नहीं हुए हैं। आगे आने वाले समय में परिणाम बहुत गंभीर होने वाले हैं। हमारे एक मित्र डॉक्टर राधाकिशन जी जो अमृतसर के रहने वाले हैं उन्होंने हमें बताया कि कई पर्यावरणविदों का मत है कि पिछले 40 साल से भी अधिक समय में हम लोगों ने वृक्षारोपण के नाम पर ऐसे वृक्ष देश में लगाए हैं जो आज पर्यावरण की बर्बादी का बहुत बड़ा कारण बन गए हैं। इन वृक्षों के कारण जमीन में पानी का तेजी से क्षरण हो रहा है। पहाड़ी क्षेत्रों के जंगलों में चीड़ के करोड़ों वृक्ष लगाये गये हैं। चीड़ एक ऐसा वृक्ष है जो बड़ी तेजी से भूमि के पानी को सुखा देता है। इसकी विषैली पत्तियों के विषैले प्रभाव से जंगल की लगभग सारी वनस्पतियां, पौधे एवं वृक्ष समाप्त हो जाते हैं। इन वृक्षों के अत्यधिक ज्वलनशील पत्तों के कारण हर वर्ष हजारों अग्नि कांड होते हैं। जिसके चलते करोड़ों जीव मरते हैं, जंगल नष्ट होते हैं, और भूमि का जल सूख जाता है। सैंकड़ों-हजारों साल में बने जंगलों पर भी बहुत विपरीत प्रभाव पड़ता है। करोड़ों एकड़ भूमि बंजर बन गयी है। वनों की, वर्षा जल को रोकने की क्षमता लगभग समाप्त हो गयी है। परिणामस्वरूप, वर्षाकाल में मैदानों में भयंकर बाढ़ आने लगी है। वनों की जल संग्रहण क्षमता समाप्त होने के कारण ही कई क्षेत्रों में सूखा भी पड़ता है, जल संकट होता है। हमारे सदा सलिल रहने वाले नदी, नाले, चश्मे सूखने लगे हैं। फिर भी हम वृक्षारोपण के नाम पर चीड़ के वृक्ष लगाते चले गए हालांकि अब जाकर कहीं चीड़ के पेड़ लगाने की रफ्तार कम हुई है। पर सच तो यह है कि यह सब हमारी नासमझी का ही परिणाम है। बिना सोचे समझे केवल विदेशों से आयातित योजनाओं का अथवा उनकी शरारतों का शिकार बन जाना भी आज की हमारी दुर्दशा के लिए एक महत्वपूर्ण जिम्मेदार कारक है। पर्यावरणविदों के अनुसार अब सीधा सा समाधान तो यही है कि जिस प्रकार हमने चीड़, पापुलर, युकेलिप्टिस, रोबीनिया, लुसीनिया, एलस्टोनिया, सिल्वर ओक, पॉपुलर, नकली अशोक, यूकेलिप्टिस, बाटलब्रश जैसे करोड़ों वृक्ष लगाकर पर्यावरण को बर्बाद किया है, पानी की भयंकर कमी पैदा की है, उसी प्रकार अब हम ऐसे वृक्ष लगाए जाएं जो पानी को संग्रहित करते हैं एवं पानी को रोकते हैं। इस श्रेणी में भारत में हमारे अपने स्वदेशी अनगिनत वृक्ष हैं जो जल संरक्षण व पर्यावरण के लिये अनुकूल माने जाते हैं। इस प्रकार के वृक्षों में पहाड़ों के लिये बियूंस (विलो), बान, खरशू आदि बहुत कारगर सिद्ध हो सकते हैं। इनमें बियूंस बहुत आसानी से लग जाता है। बरसात के मौसम में इसकी टहनियां काटकर गाड़ दी जाएं तो आसानी से जड़ें निकल आती है और वृक्ष बन जाता है। उंचाई पर देवदार, रखाल, बुरास आदि वृक्ष लग सकते हैं। जल संग्रह के लिए इनकी क्षमता बहुत बढ़िया है। वहीं मैदानी क्षेत्रों में पीपल, पिलखन, नीम, आम, जामुन आदि उत्तम पेड़ माने जाते हैं तो रेतीली भूमि के लिये खेजड़ी, बबूल, कैर आदि जैसे पेड़ लाभदायक माने जाते हैं। आज भारतीय हिंदू सनातन संस्कृति एक वैज्ञानिक संस्कृति मानी जा रही है। परंतु प्रकृति से दूरी और अपने देशी पेड़ पौधों के प्रति बेरुखी ने पूरे देश में प्रदूषण की समस्या को खतरनाक स्तर पर पहुंचा दिया है। भारत में यदि प्रदूषण की समस्या से निजात पाना है तो हमें फिर से नीम, पीपल, बरगद, जामुन और गूलर जैसे पेड़ों को विकसित करने के बारे में सोचना होगा। कई वैज्ञानिकों के अध्ययनों में सामने आया है कि चौड़ी पत्तियों वाले पेड़ सर्वाधिक मात्रा में धूलकणों का रोकते हैं, जिससे प्रदूषण रोकने में सहायता मिलती है। डीयू के पूर्व प्रो. और वैज्ञानिक श्री सीआर बाबू का कहना है कि आमतौर पर भारत में पाए जाने वाले चौड़ी पत्तियों वाले पौधों का कैनोपी आर्किटैक्चर सड़कों के किनारे विकसित किया जाए तो प्रदूषण का स्तर काफी कम किया जा सकता है। पेड़-पौधों के सहारे हम भी प्रदूषण से जंग लड़ सकते हैं। नीम, पीपल, बरगद, जामुन और गूलर जैसे पौधे हमारे आसपास जितनी ज्यादा संख्या में होंगे, हम जहरीली हवा के प्रकोप से उतने ही सुरक्षित रहेंगे।

(चिंतन-मनन)

विश्वास की ताकत

एक अंग्रेज अफसर अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ जहाज में सवार होकर सफर पर निकला। रास्ते में समुद्र में जोर का तूफान आया। मुसाफिर घबरा उठे। पर वह अंग्रेज अफसर जरा भी नहीं घबराया। उसकी पत्नी भी व्याकुल हो गई थी। उसने अपने पति से पूछा-इतना खतरनाक तूफान आया है। सबकी हालत खराब है। पर आप इतना निश्चिंत कैसे बैठे हैं? यह सुनते ही उस अफसर ने म्यान से तलवार निकाली और पत्नी के सिर पर रखकर पूछा- क्या तुम्हें डर लग रहा है? पत्नी बोली-मेरी बात का जवाब न देकर आप यह क्या खेल कर रहे हैं? अफसर ने फिर पूछा-बताओ, तुम्हें डर लग रहा है या नहीं? पत्नी ने कहा- मुझे भला क्यों डर लगेगा? मुझे पता है आप मेरी जान नहीं लेंगे क्योंकि आप मेरे दुश्मन नहीं हैं। आप तो मुझे अपनी जान से ज्यादा चाहते हैं। फिर मैं क्यों डरूं? इस पर अफसर ने कहा-बिल्कुल सही। जिस तरह तुम्हें मुझ पर भरोसा है उसी तरह मुझे ईश्वर पर भरोसा है। वह हम सब का अभिभावक है। वह हमारा बुरा क्यों चाहेगा? वह तो हमारे पिता के समान है। वह हर संकट में हमारी सहायता ही करेगा। इसलिए तूफान आया है तो वह चला भी जाएगा। जीवन में विश्वास सबसे बड़ी चीज है। इससे हमें बड़ी ताकत मिलती है। हम इसी ताकत के सहारे जीते हैं। इसलिए हमें किसी न किसी के प्रति विश्वास तो रखना ही होगा। वही लोग घबराते हैं या अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाते हैं जिनमें विश्वास की कमी होती है। संयोग से उसी समय तूफान थम गया।

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है। पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

योग में संवारे कैरियर

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

इंटरव्यू की खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

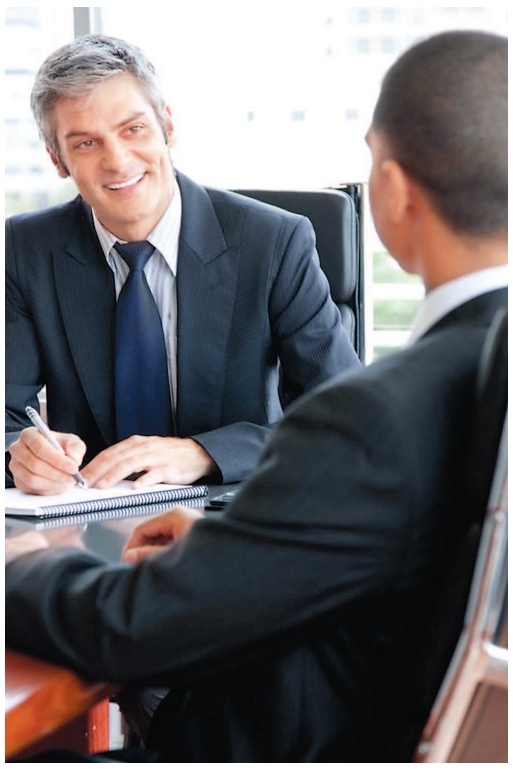

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है। शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

लगातार चौथे दिन बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

अडानी एंटरप्राइजेज ने दिया सबसे बेहतर रिटर्न

मुंबई ।

शेयर बाजार में निवेशकों के लिए दिवाली जारी है। शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ बंद हुआ है। सेंसेक्स मंगलवार को 374.76 अंक की बढ़त के साथ 61,121.35 पर बंद हुआ। गौरतलब है कि ये सेंसेक्स का 9 महीने का सर्वोच्च स्तर है। वहीं, निफ्टी ने 133.20 अंकों की तेजी के साथ 18,145.40 के स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। शेयर बाजार की शुरुआत मंगलवार को धमाकेदार हुई। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों का असर घरेलू मार्केट में दिखा और सेंसेक्स ने 319 अंकों की बढ़त के साथ 61,066 के स्तर पर कारोबार शुरू किया।

वहीं, निफ्टी अपने पिछले बंद से 120 अंक ऊपर खुला और 18132 पर ट्रेडिंग शुरू की। निफ्टी मेटल 2.38 फीसदी और फार्मा 2.12 फीसदी की तेजी के साथ मंगलवार को सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले सेक्टर रहे। इसके अलावा निफ्टी हेल्थकेयर 1.93 फीसदी, आईटी 1.89 फीसदी, रियल्टी 0.92 फीसदी, वित्तीय सर्विसेज 0.37 फीसदी, ऑयल एंड गैस 0.32 फीसदी और ऑटो सेक्टर 0.26 फीसदी ऊपर गया। निफ्टी मीडिया और बैंक में क्रमशः 0.27 फीसदी और 0.04 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। मंगलवार के कारोबार में निफ्टी पर अडानी एंटरप्राइजेज 6.94 फीसदी की बढ़त के साथ सर्वाधिक रिटर्न देने वाला शेयर साबित हुआ। इसके बाद डीवी लैब ने 6.10 फीसदी, एनटीपीसी ने 5.14 फीसदी, पावरग्रिड ने 2.91 फीसदी और ग्रासिम इंडस्ट्रीज ने 2.51 फीसदी का मुनाफा अपने निवेशकों को दिया। दूसरी तरफ एक्सिस बैंक 3.81 फीसदी की गिरावट के साथ सर्वाधिक घाटे वाला शेयर रहा। इसके बाद यूपीएल 1.63 फीसदी, आयशर मोटर्स 1.41 फीसदी, मारुति सुजूकी 0.97 फीसदी और रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.70 फीसदी लुढ़कर मंगलवार को टॉप 5 लूजर साबित हुए। बाजार जानकार का कहना है कि एफआईआई और सकारात्मक वैश्विक संकेतों से समर्थन प्राप्त तेजड़ियों ने बाजार पर अपनी पकड़ बना रखी है।

रुपया 10 पैसे की तेजी के साथ 82.71 प्रति डॉलर पर

मुंबई, वैश्विक बाजारों में डॉलर के अपने उच्चस्तर से नीचे आने के कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा की तुलना में 10 पैसे की तेजी के साथ 82.71 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.74 पर खुला और बाद में इसने 82.59 के उच्च स्तर और 82.79 के निचले स्तर को भी छुआ। कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 10 पैसे की तेजी के साथ 82.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 34 पैसे की गिरावट के साथ 82.81 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 110.98 पर था। इधर, 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 374.76 अंक बढ़कर 61,121.35 अंक पर बंद हुआ। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.42 प्रतिशत बढ़कर 94.13 डॉलर प्रति बैरल हो गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहे।

अमेरिकी टेक कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट

- भारतीय कंपनियों को भारी नुकसान

मुंबई । अमेरिका की टेक कंपनियों के शेयर में भारी गिरावट होने के कारण भारतीय निवेशकों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। अमेरिका की शीर्ष टेक कंपनियों के शेयरों में अब तक 30 से 70 फ़ीसदी तक की गिरावट आई है। इससे निवेशकों को अरबों डालर का नुकसान हुआ है। अमेरिकी आईटी कंपनियों के शेयरों में आई इस गिरावट से भारतीय आईटी कंपनियों के शेयर भी 26 फीसदी तक लुढ़क गए हैं। वहीं भारतीय कंपनियों ने ग्लोबल टेक कंपनियों में विनिवेश किया था। उसमें भी भारतीय निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। भारतीय निवेशकों ने फेसबुक, ऐपल, टेस्ला जेसी टेक कंपनियों के शेयर में बड़ा निवेश किया था। भारतीय म्यूचल फंड ने टॉप अमेरिकी टेक कंपनियों में 12300 करोड रुपए का निवेश किया था। वहीं ग्लोबल टेक कंपनियों में 15000 करोड रुपए से अधिक का निवेश था। फेसबुक (मेटा)के शेयर में 25 फ़ीसदी की गिरावट और गूगल के शेयरों में 8 फीसदी की गिरावट से भारतीय निवेशकों को तगड़ा नुकसान उठाना पड़ा है।

बजाज ऑटो की बिक्री 10 प्रतिशत घटकर 3,95,238 इकाई रही

नई दिल्ली । बजाज ऑटो लिमिटेड ने बताया कि अक्टूबर में उसकी कुल बिक्री सालाना आधार पर 10 प्रतिशत घटकर 3,95,238 इकाई रह गई। बजाज ऑटो लिमिटेड (बीएएल) ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में कुल 4,39,615 इकाइयां बेची थीं। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी की कुल घरेलू बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 2,42,917 इकाई रही, जो अक्टूबर 2021 में 2,18,565 इकाई थी। इस दौरान कंपनी का निर्यात 31 प्रतिशत घटकर 1,52,321 इकाई रहा। बीएएल ने कहा कि अक्टूबर 2022 में घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री चार प्रतिशत बढ़कर 2,06,131 इकाई रही।

सीसीआई के आदेश के बाद गूगल ने भारत में 'प्ले बिलिंग' प्रणाली पर लगाई रोक

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के हालिया फैसलों के मद्देनजर गूगल ने भारत में डिजिटल वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के लिए 'प्ले बिलिंग' प्रणाली को रोकने का फैसला किया है। कंपनी ने साथ ही कहा कि वह सभी कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है। सीसीआई ने पिछले महीने प्ले स्टोर नीतियों के संबंध में गूगल पर 936.44 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था। नियामक ने कंपनी को अनुचित व्यावसायिक प्रथाओं को रोकने और साथ ही एक निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रतिस्पर्धा विरोधी मसलों को हल करने का निर्देश भी दिया था। गूगल ने कहा कि सीसीआई के हालिया फैसले के बाद, हम भारत में उपयोगकर्ताओं द्वारा डिजिटल सामान और सेवाओं की खरीद के लेनदेन के लिए गूगल प्ले की बिलिंग प्रणाली को रोक रहे हैं। कंपनी ने हालांकि कहा कि वह अपने कानूनी विकल्पों की समीक्षा कर रही है और यह एंड्रायड तथा प्ले में निवेश जारी रखेगी।

टाटा स्टील के पूर्व एमडी जेजे ईरानी नहीं रहे

- जेजे ईरानी का सफर- असिस्टेंट बनकर टाटा स्टील आए थे एमडी बनकर निकले

नई दिल्ली । टाटा स्टील के पूर्व एमडी जमशेद जे ईरानी नहीं रहे। जमशेद जे ईरानी ने सोमवार रात जमशेदपुर में आखिरी सांस ली। ईरानी के जाने से टाटा स्टील को बड़ा नुकसान हुआ है। ईरानी ने टाटा स्टील को नई बुलंदियों तक पहुंचाया। पद्म भूषण डॉ जमशेद जे ईरानी 4 दशकों से भी अधिक समय से टाटा स्टील से जुड़े रहे। वे जून 2011 में टाटा स्टील के बोर्ड से रिटायर हुए थे। स्टील सेक्टर में व्यापक योगदान के लिए इन्हें भारत का स्टील मैन भी कहा जाता है। जमशेद जे ईरानी नागपुर में 2 जून 1936 को जीजी ईरानी और खोरशेद ईरानी के घर जन्मे थे। डॉ ईरानी ने साल 1956 में साइंस कॉलेज, नागपुर से साइंस में स्नातक की डिग्री ली। इसके बाद उन्होंने साल 1958 में नागपुर यूनिवर्सिटी से भूविज्ञान से मास्टर्स किया। इसके बाद वे यूके में शेफील्ड यूनिवर्सिटी गए। यहां से उन्होंने साल 1960 में धातुकर्म से मास्टर्स किया। इसके बाद उन्होंने धातुकर्म से ही साल 1963 में पीएचडी की। ईरानी ने साल 1963 में शेफील्ड में ब्रिटिश आयरन एंड स्टील रिसर्च एसोसिएशन के साथ अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की। लेकिन वे हमेशा देश के विकास में योगदान देना चाहते थे। वे भारत वापस लौट आए। यहां आकर उन्होंने साल 1968 में टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी (वर्तमान में टाटा स्टील) जॉइन की। उन्होंने रिसर्च एंड डेवलपमेंट के डायरेक्टर इन-चार्ज के सहायक के रूप में जॉइन किया था। इसके बाद वे जनरल सुपरिटेंडेंट, जनरल मैनेजर, प्रेसिडेंट, जॉइंट एमडी और एमडी बने। टाटा स्टील और टाटा संस के अलावा डॉ ईरानी ने टाटा मोटर्स और टाटा टेलीसर्विसेज सहित टाटा समूह की कई कंपनियों के निदेशक के रूप में भी काम किया।

भारत के कई शहरों में बनाए जाएंगे चार्जिंग स्टेशन

-चार्ज प्लस जोन और महिंद्रा एंड महिंद्रा के मध्य हुआ समझौता

नई दिल्ली ।

कंपनी चार्ज प्लस जोन और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने एक समझौता किया है, जिसके तहत दोनों कंपनियां मिलेकर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग का बुनियादी ढांचा तैयार करेगी। दोनों कंपनियों ने कहा कि समझौते के तहत कई जगहों पर 2,500 से ज्यादा फास्ट चार्ज करने वाले डीसी चार्जर की लगाए जाएंगे। इसके अलावा शुरू करने और रखरखाव की संभावनाओं की तलाश की जाएगी। इस पार्टनरशिप के तहत कंपनी की जगह के साथ किराये की जगहों पर भी चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। साथ ही महिंद्रा और इसकी सहयोगी कंपनियों और समूह कंपनियों द्वारा चुना गया कोई अन्य स्थान का भी उपयोग किया जाएगा। महिंद्रा ने हाल ही में अपनी इलेक्ट्रिक कार एक्सयूवी400 को शोकेस किया था, जिसे आधिकारिक तौर पर अगले साल जनवरी में लॉन्च किया जाएगा। महिंद्रा अपने पहले ऑल इलेक्ट्रिक मॉडल को एक्सयूवी400 के रूप में पेश करने पर विचार कर रही है, लेकिन आने वाले समय में और अधिक प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल लाने के लिए भी तैयार है। एक्सयूवी 400 में एक 39.4 केडब्ल्यूएच लिथियम-आयन बैटरी पैक का इस्तेमाल किया गया है। कंपनी का दावा है कि यह एक बार चार्ज करने पर 450 किलोमीटर की रेंज दे सकती है। खास बात यह है कि यह सिर्फ 8.3 सेकंड के 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार भी पकड़ सकती है।महिंद्रा अपनी इलेक्ट्रिक कार को लॉन्च करने के लिए तैयार है, लेकिन देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर अभी भी पर्याप्त नहीं है। इस लिहाज से महिंद्रा और चार्ज प्लस जोन के बीच पार्टनरशिप अहम साबित हो सकती है।महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के ऑटोमोटिव सेक्टर के प्रेसिडेंट विजय नाकरा ने कहा, 'चार्ज प्लस जोन के साथ हमारी पार्टनरशिप हमारे सभी ग्राहकों के लिए मजबूत ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशन सुनिश्चित करेगी।' नाकरा ने कहा, 'हम भारत में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों के बड़े पैमाने पर अपनाने में तेजी लाने के लिए टिकाऊ, लाभदायक और एफिशिएंट ईवी सॉल्यूशन लाने के लिए काम कर रहे हैं।' महिंद्रा ईवीएस के पास 25 शहरों में चार्ज प्लस जोन चार्जर्स तक ही पहुंच नहीं होगी, बल्कि कंपनी किराए की साइटों समेत कई जगहों पर फास्ट डीसी चार्जर की स्थापना, कमीशनिंग और रखरखाव की खोज कर रहा है।

मेहुल चोकसी पर सेबी की बड़ी कार्रवाई! 5 करोड़ का जुर्माना

- जुर्माने की रकम 45 दिनों के भीतर जमा करानी होगी

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी पर भी कड़ी कार्रवाई की है। सेबी ने सोमवार को जारी एक आदेश में मेहुल चोकसी पर 10 साल के लिए सिक्योरिटी बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित कर दिया है। साथ ही 5 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया है। सेबी ने कहा है कि चोकसी को जुर्माने की रकम 45 दिनों के भीतर जमा करानी होगी। सिक्वे योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने यह कार्रवाई गीतांजलि जेम्स लिमिटेड के शेयरों में फर्जी तरीके से कारोबार करने को लेकर की गई है। चोकसी गीतांजलि जेम्स के चेयरमैन और मैनेजिंग डाइरेक्टर थे और समूह के प्रवर्तकों में भी शामिल थे। चोकसी एक अन्य भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी के मामा हैं और दोनों पर पंजाब नेशनल बैंक यानी पीएनबी से 14 हजार करोड़ का लोन फर्जीवाड़ा करने का भी आरोप है। पीएनबी घोटाले के बाद ही साल 2018 में दोनों का नाम सामने आया था। चोकसी फिलहाल एंटीगुआ और बरबूडा में है, जबकि नीरव मोदी अभी ब्रिटेन की जेल में बंद है और भारत के प्रत्यर्पण मांग को चैलेंज कर रहा है। सेबी ने गीतांजलि जेम्स के शेयर बाजार में कारोबार को लेकर जुलाई 2011 से जनवरी 2012 के बीच जांच की थी। इसके बाद चोकसी को मई, 2022 में कारण बताओ नोटिस भेजा गया, जिसमें उन्हें गलत तरीके से ट्रेडिंग का दोषी पाया गया था। इसके बाद सेबी ने अपने आदेश में कहा था कि चोकसी ने 15 कंपनियों को फंडिंग की है, जिन्हें फ्रंट इंटीटीज कहा गया और चोकसी इन कंपनियों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े थे। इस दौरान चोकसी ने इन कंपनियों को 74.44 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए, जिसमें से 13.34 करोड़ रुपए का इस्तेमाल फर्जी तरीके से ट्रेडिंग में किया गया।

सेबी ने व्हॉट्सएप लीक मामले में दो लोगों के खिलाफ मामला निपटाया

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने दो लोगों के खिलाफ व्हॉट्सएप के जरिये आईटीसी के वित्तीय परिणामों की संवेदनशील जानकारी कथित तौर पर लीक करने के मामले का निपटारा कर दिया है। सेबी ने हाल ही में जारी आदेश में कहा कि पार्थिव दलाल और श्रुति वोरा पर भेदिया कारोबार के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप था। नियामक ने पिछले महीने टीसीएस और अल्ट्राटेक सीमेंट समेत छह कंपनियों के वित्तीय परिणामों के बारे में अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी (यूपीएसआई) को कथित तौर पर लीक करने के मामले में वोरा समेत चार व्यक्तियों के खिलाफ न्यायिक कार्यवाही का निपटारा किया था। यह आदेश प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) द्वारा मार्च, 2021 में व्हॉट्सएप लीक मामले में कुछ व्यक्तियों के खिलाफ सेबी के भेदिया कारोबार के आरोपों को अलग रखने के बाद आया है। इसी मामले को इस साल 26 सितंबर को उच्चतम न्यायालय ने बरकरार रखा था।सेबी ने अपने आदेश में कहा कि दो व्यक्तियों के खिलाफ भेदिया कारोबार के आरोपों का निपटारा किया है।

ट्विटर में नौकरी जाने का खतरा नहीं

एलन मस्क ने कहा छंटनी की खबरें गलत

नई दिल्ली ।

ट्विटर के नए बॉस एलन मस्क ने मीडिया में चल रही कंपनी में कर्मचारियों की छंटनी की खबरों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि कंपनी में बड़े पैमाने पर छंटनी करने की कोई योजना नहीं है। उल्लेखनीय है कि मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा था कि दुनिया के नंबर एक कारोबारी एलन मस्क एक नवंबर के पहले बड़े पैमाने पर कंपनी में छंटनी करने वाले हैं, ताकि उन्हें मुआवजे के रूप में स्टाक ग्रांट्स न देनी पड़े। लेकिन जब छंटनी को लेकर एक ट्विटर यूजर ने ट्वीट करके एलन मस्क की प्रतिक्रिया जाननी चाही तो उन्होंने कहा, यह गलत है। दरअसल एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एलन मस्क ने कुछ मैनेजर्स को छंटनी के लिए कर्मचारियों की लिस्ट तैयार करने को कहा है। एलन मस्क कंपनी में कर्मचारियों की संख्या सिर्फ 75 फीसदी ही रखना चाहते हैं। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि एलन मस्क ने शीर्ष अधिकारियों को नौकरी से निकाल दिया है और अन्य कर्मचारियों की निकालने की तैयारी की जा रही है। मस्क ने ट्विटर के सीईओ पराग अग्रवाल, चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर नेड सहगल और कानूनी मामलों व नीति प्रमुख विजया गड्डे को गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के हाई-प्रोफाइल 44 बिलियन के बायआउट के पूरा होने पर निकाल दिया। मस्क ने इन लोगों पर ट्विटर पर फर्जी खातों की संख्या को लेकर उन्हें और ट्विटर निवेशकों को गुमराह करने का आरोप लगाया था। रिसर्च फर्म इक्विलर के मुताबिक, एग्जिक्यूटिव्स को कुल मिलाकर करीब 122 मिलियन डॉलर का सेपरेशन पेआउट मिला है। ज्ञात हो कि टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने 44 बिलियन अमेरिकी डॉलर में ट्विटर को खरीद लिया है। अधिग्रहण के तुरंत बाद ही उन्होंने बड़े फैसले लेना शुरू कर दिया है। इसमें अधिकारियों और कर्मचारियों की छंटनी से जुड़ा निर्णय अहम है। ट्विटर में साढ़े 7 हजार से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं।

पिछले महीने मजबूत रहीं देश की विनिर्माण गतिविधियां: सर्वेक्षण

नई दिल्ली ।

नये ऑर्डर और उत्पादन में धीमी, लेकिन मजबूती गति से बढ़ोतरी के बीच भारत में विनिर्माण गतिविधियां पिछले महीने अक्टूबर में मजबूत रहीं। हालांकि, इस दौरान कीमतों का दबाव भी बना रहा। एक मासिक सर्वेक्षण में मंगलवार को यह बात कही गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) सितंबर में 55.1 से बढ़कर अक्टूबर में 55.3 हो गया। अक्टूबर के पीएमआई आंकड़ों के साथ ही लगातार 16वें महीने में समग्र परिचालन स्थितियों में सुधार देखने को मिला। पीएमआई की भाषा में 50 से अधिक अंक का अर्थ है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से कम अंक संकुचन को दर्शाते हैं। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की संयुक्त निदेशक पोल्याना डी लीमा ने कहा कि भारतीय विनिर्माण उद्योग ने अक्टूबर में फिर से लचीलापन दिखाया। कारखाने के ऑर्डर और उत्पादन में जोरदार वृद्धि हुई। सर्वेक्षण के मुताबिक भारतीय विनिर्माता अक्टूबर 2023 तक उत्पादन में बढ़ोतरी को लेकर आश्वस्त हैं। लीमा ने कहा कि विनिर्माताओं को उम्मीद है कि आने वाले महीनों में मांग में उछाल बना रहेगा। सर्वेक्षण में कहा गया है कि विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार उल्लेखनीय दर से बढ़ा है, जो मार्च 2005 में इन आंकड़ों का संग्रह शुरू होने के बाद से सबसे मजबूत महीनों में एक रहा।

टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस नवंबर में कर सकती है डेब्यू

-थ्री-रो एमपीवी का टीजर भी जारी किया

नई दिल्ली ।

अगले महीने नवंबर में टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस डेब्यू करने के लिए तैयार है। कंपनी ने इस थ्री-रो एमपीवी का टीजर भी जारी किया था। इनोवा कार के मौजूदा मॉडल की तुलना में नया मॉडल कई बदलावों के साथ आने वाला है। डिजाइन और इंजन मकैनिज्म के मामले में यह कार कई बदलावों के साथ आएगी।भारत में यह मॉडल जनवरी 2023 में पेश की जा सकती है। पावरट्रेन की बात करें तो इनोवा हाइक्रॉस में 2.0एल पेट्रोल इंजन होगा जिसमें हायराइडर से प्राप्त मजबूत हाइब्रिड तकनीक होगी। ई-सीवीटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ, सेटअप 190 पीएस पीएस से अधिक की शक्ति प्रदान करेगा। बड़े बदलावों में से एक रियर-व्हील ड्राइव सेटअप की जगह फ्रंट-व्हील ड्राइव सिस्टम के रूप में आएगा। डीजल इंजन का विकल्प नहीं होगा।हाल ही में लीक हुई पेटेंट इमेज इस बात की पुष्टि करती है कि नई टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस में पैनोरमिक सनरूफ होगा। यह फैक्ट्री फिटेड सनरूफ के साथ आने वाला भारत का पहला टोयोटा मॉडल होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक एमपीवी का नया मॉडल टोयोटा सेफ्टी सेंस से भी लैस होगा। इसके अलावा अडॉप्टिव क्रूज कंट्रोल, ऑटोमेटिक इमरजेंसी ब्रेक जैसे कई फीचर्स शामिल हैं।भारत में नई 2023 टोयोटा इनोवा हाइब्रिड की कीमतें बेस वेरिएंट के लिए 20 लाख रुपये से शुरू होने और रेंज-टॉपिंग ट्रिम के लिए 22 लाख रुपये तक जाने की उम्मीद है। वर्तमान में, इनोवा क्रिस्टा मॉडल लाइनअप 18.09 लाख रुपये से 23.83 लाख रुपये (सभी, एक्स-शोरूम) की कीमत पर उपलब्ध है।बात करें फीचर्स की तो नई टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस में नवीनतम स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, 360 डिग्री कैमरा, वायरलेस फोन चार्जिंग और वेंटिलेटेड सीटों के साथ एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम भी होगा।एमपीवी का व्हीलबेस 2850 एमएमऔर लंबाई लगभग 4।7 मीटर होगी।

क्रूड ऑयल में गिरावट, यूपी-बिहार में सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल

ब्रेंट क्रूड 1.40 डॉलर गिरकर 94.83 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विब बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे के दौरान बड़ी गिरावट आई है, जिसका असर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार को यूपी और बिहार के कई शहरों में तेल के दाम घटा दिए हैं। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 35 पैसे सस्ता होकर 96.65 रुपए और डीजल 32 पैसे गिरकर 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। इसके अलावा यूपी की राजधानी लखनऊ में भी पेट्रोल के भाव में मामूली एक पैसे की गिरावट आई और यह 96.57 रुपए लीटर हो गया, जबकि डीजल का दाम एक पैसा गिरकर 89.76 रुपये लीटर हो गया है। पटना में भी पेट्रोल-डीजल सस्ते हुए हैं। यहां पेट्रोल 82 पैसे गिरकर 107.30 रुपए लीटर और डीजल 77 पैसे टूटकर 94.09 रुपए प्रति लीटर हो गया है। कच्चे तेल में पिछले 24 घंटे में बड़ी गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव 1.40 डॉलर गिरकर 94.83 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी 2.22 डॉलर की गिरावट के साथ 86.01 डॉलर प्रति बैरल के भाव बिक रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97.00 रुपए और डीजल 90.14 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.30 रुपए और डीजल 94.09 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

बांग्लादेश के कप्तान हसन का बड़ा बयान, भारत यहां वर्ल्ड कप जीतने आया

पर्थ । एडिलेड के ओवल में बुधवार को भारत का मुकाबला बांग्लादेश से होगा। मैच से पहले मंगलवार को बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने बड़ा बयान दिया। हसन ने कहा कि भारत यहां वर्ल्ड कप जीतने आया है। बांग्लादेश टूर्नामेंट जीतने के लिए नहीं है। मैच के एक दिन पहले बांग्लादेश के कप्तान का यह बयान सुर्खियों में है। हसन ने कहा, अगर वे भारत को हरा देते हैं, तब यह बड़ा उलटफेर होगा। हर मैच हमारे लिए महत्वपूर्ण है और हम उसी दृष्टिकोण के साथ खेलना चाहते हैं। हम किसी एक विपक्ष पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहते हैं। हम सिर्फ अपनी योजनाओं पर टिके रहना चाहते हैं। हम सिर्फ खेल के सभी विभागों में एक टीम के रूप में बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। शाकिब ने कहा, हम अपने बचे हुए दो मैचों में अच्छा खेलना चाहते हैं। अगर हम भारत या पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल कर पाते हैं, तब यह एक उलटफेर होगा। रिकॉर्ड में दोनों टीमें हमसे बेहतर हैं, अगर हम अच्छा खेलते हैं और या हमारा दिन रहा तो ऐसा कोई कारण नहीं है कि हम जीत नहीं सकते। हमने आयरलैंड और जिम्बाब्वे जैसी टीमों को इंग्लैंड और पाकिस्तान को हराते हुए देखा है। अगर हम ऐसा करने में सक्षम हैं, तब मुझे खुशी होगी। बता दें कि भारत और बांग्लादेश दोनों के फिलहाल ग्रुप 2 में 4 अंक हैं।

PKL 9 : सचिन का सुपर10, पटना पाइरेट्स ने गुजरात जाएंट्स को 6 अंक से हराया

पुणे : (एजेंसी)

सचिन तंवर (13) के सीजन के तीसरे सुपर-10 की मदद से तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स ने बालेवाड़ी स्थित श्री शिवछत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सोमवार को खेले गए वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सीजन के 50वें मैच में गुजरात जाएंट्स को 34-28 से हरा दिया। दोनों टीमों का यह नौवां मैच था। गुजरात को यह चौथी हार मिली है। उसके खाते में 4 जीत और एक टाई है जबकि पटना ने तीसरी जीत दर्ज की है। पटना के खाते में चार हार और 2 टाई भी हैं। इस जीत के साथ पटना सातवें स्थान पर पहुंच गई है। गुजरात की ओर से प्रतीक दहिया ने 11 अंक लिए लेकिन उसके स्टार रेडर एचएस राकेश नहीं चल सके। साथ ही गुजरात का डिफेंस भी नहीं चल सका। गुजरात के डिफेंस ने 8 के मुकाबले सिर्फ तीन अंक अर्जित किए। पटना की ओर से रोहित गुलिया ने सचिन का अच्छा साथ देते हुए सात अंक जुटाए। बहरहाल, तीसरे ही मिनट में गुजरात का डू ओर डाई रेड आया। राकेश गए और डैश कर दिए गए। पटना ने इसके साथ 3-1 की लीड बना ली थी। फिर चार के डिफेंस में पटना के डू ओर डाई रेड पर गए और अंक लेकर लौटे। पांच मिनट बीते थे और 4-2 के स्कोर के साथ गुजरात के लिए सुपर टैकल आन था। महेंदर ने हालांकि सुनील को आउट कर इस स्थिति को टाला। रोहित ने अगली रेड पर रिंकू को बाहर कर गुजरात को फिर सुपर टैकल तक पहुंचा दिया। रोहित की रेड पर बलदेव सेल्फ आउट हुए। स्कोर 6-3 था और गुजरात पर ऑलआउट का खतरा था। पटना ने फिर ऑलआउट को अंजाम दे 10-5 की लीड ले ली। प्रतीक ने हालांकि सुपर रेड के साथ गुजरात की वापसी कराई लेकिन इसके बाद रोहित ने दो अंक ले पटना को 15-8 से आगे कर दिया। सचिन डू ओर डाई रेड पर दो अंक लेकर लौटे। फिर पटना ने गुजरात को दूसरी दूसरी बार ऑल आउट 11 अंक की लीड ले ली। हाफ टाइम तक स्कोर 21-13 से गुजरात के हक में था।दूसरे हाफ के पांच मिनट बीतने के बाद भी स्कोर 23-16 से पटना के पक्ष में था। गुजरात के डिफेंस ने डू ओर डाई रेड पर रोहित को लपक तीसरी सफलता हासिल की जबकि गुजरात का डिफेंस 6 शिकार कर चुका था। यह अलग बात है कि उसके स्टार रेडर राकेश अब तक नहीं चल सके थे। राकेश ने हालांकि 32वें मिनट में अपना दूसरा अंक लिया। राकेश की अगली रेड पर शादलू सेल्फ आउट हुए लेकिन सचिन की अगली रेड पर सौरव गुलिया ने गलती कर दी। सात मिनट बचे थे और स्कोर 27-19 था। पटना ने इसके बाद लगातार तीन अंक लिए।

ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में भारत-पाक के बीच टेस्ट मैच करवाने की चल रही है चर्चा : ओ 'डॉनेल

(एजेंसी)।

टी20 विश्व कप 2022 के सुपर-12 चरण में भारत और पाकिस्तान के बीच रोमांचक टक्कर अभी भी कोई क्रिकेट प्रेमी भूल नहीं पा रहा है। भारत की ओर से विराट कोहली का क्लासिक चेज और मैच में 90,000 से अधिक भीड़ की चर्चा ऑस्ट्रेलिया के हर घर में हो रही है, इसी के मद्देनजर ऑस्ट्रेलिया अब भारत और पाकिस्तान मुकाबलों के रोमांच को देखते हुए इन दोनों देशों के बीच टेस्ट मैच करवाने पर चर्चा कर रहा हा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर साइमन ओ'डॉनेल ने यह खुलासा किया कि ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में भारत बनाम पाकिस्तान के बीच टेस्ट मैच करवाने की चर्चा चल रही है। एसईएन रेडियो से बात करते हुए, ओ'डॉनेल 23 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच टी 20 विश्व कप के रोमांचक मैच पर चर्चा कर रहे थे कि उन्होंने कितना आनंद लिया। इसी बीच ओ'डेनल ने कहा,'भारत-पाक के बीच विश्व कप का मैच बेहतरीन था, उस गेम ने टूर्नामेंट को चर्चा में ला दिया, लोग लगातार उस मैच की चर्च कर रहे हैं। इस रोमांचक मैच में 90 हजार लोग इकट्ठा थे अब ऑस्ट्रेलिया में भारत औ पाकिस्तान के बीच एक टेस्ट मैच करवाने की चर्चा चल रही है। मुझे मालूम चला है कि इस बारे में बातचीत चल रही है।' ओ'डेनल ने आगे कहा,'भारत पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच त्रिकोणीय वनड श्रृंखला की भी संभावना है और साथ में भारत औ पाकिस्तान के बीच एक टेस्ट मैच की भी संभावन है।' गौर हो कि इससे पहले इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भ अपने देश में भारत और पाकिस्तान के बीच टेस्ट मैच करवाने की पेशकश की थी। भारत-पाक ने लंबे समय से द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेली है और हाल ही में बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एशिया कप 2023 के लिए भारत के पाकिस्तान की यात्रा नहीं करने के बारे में काफी स्पष्ट बात की थी।

एशियाई शतरंज चैम्पियनशिपः हर्ष भरतकोटि शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर हर्ष भरतकोटि यहां एशियाई महाद्वीपीय शतरंज चैम्पियनशिप के ओपन वर्ग के छठे दौर में शीर्ष वरीय और हमवतन जीएम आर प्रगानानंद से ड्रा खेलने के बाद पांच अंक लेकर एकल बढ़त बनाये हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने 33 चाल के बाद अंक बांटने पर सहमति दी। इस तरह भरतकोटि की चार मैचों से चली आ रही जीत की लय थम गई। शीर्ष वरीय प्रगानानंद सहित 11 खिलाड़ी भरतकोटि से आधा अंक लेकर दूसरे स्थान पर चल रहे हैं। इसमें लियोन ल्यूक मेंडोंका, कार्तिकेयन मुरली, कोस्तव चटर्जी, एस एल नारायणन, बी अधिबान, एस पी सेतुरमन और अरविंद चिदम्बरन (सभी भारतीय) शामिल हैं। महिला वर्ग में भारत की जीम पीवी नंधिधा ने हमवतन प्रियन नुटाकी को 61 चाल में हरा दिया जिससे उनके 5.5 अंक हो गये हैं और वह छह दौर के बाद एकल बढ़त बनाये हैं। नुटाकी और पद्मिनी राउत 4.5 अंकर दूसरे स्थान पर चल रही हैं।

श्रीलंका ने 6 विकेट की बड़ी जीत से सेमीफाइनल की उम्मीदें रखी कायम, अफगानिस्तान हुआ बाहर

ब्रिसबेन। (एजेंसी)

स्पिनर वानिंदु हसरंगा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और धनंजय डिसिल्वा के अर्धशतक की मदद से श्रीलंका ने टी20 विश्वकप के सुपर-12 के मैच में मंगलवार को यहां अफगानिस्तान को 9 गेंद शेष रहते हुए 6 विकेट से हराया। श्रीलंका ने इस जीत से जहां सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदें जीवंत रखी, वहीं अफगानिस्तान अंतिम चार की दौड़ से बाहर हो गया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छी शुरुआत की लेकिन इसके बाद उसने नियमित अंतराल में विकेट गंवाए। उसकी टीम आखिर में आठ विकेट पर 144 रन ही बना पाई। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज रहमानुल्ला गुरबाज ने 28 और उस्मान गनी ने 27 रन बनाए। श्रीलंका के लिए हसरंगा ने चार ओवर में 13 रन देकर तीन विकेट जबकि तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा ने चार ओवर में 30 रन देकर दो विकेट लिए। इसके बाद धनंजय ने श्रीलंका की पारी को संवारा तथा 42 गेंदों पर नाबाद 66 रन की आकर्षक पारी खेली। इससे श्रीलंका ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 148 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। अपेक्षाकृत छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने अच्छी शुरुआत नहीं की। मुजीब उर रहमान (24 रन देकर दो विकेट) में पथुम निसांका (10) को जल्द ही पवेलियन की रहा दिखा दी। फजलहक फारूकी (22 रन देकर एक विकेट) ने अगला ओवर मेडन करके शिकंजा कसा। कुसाल मेंडिस (25) ने हालांकि अगले ओवर लगातार दो चौके लगाए जिससे श्रीलंका ने पावरप्ले में एक विकेट पर 28 रन बनाए। राशिद खान (31 रन देकर दो विकेट) ने अपने पहले ओवर में ही मेंडिस को आउट कर दिया। इस स्टार स्पिनर के अगले ओवर में हालांकि 14 रन बने जिसमें धनंजय का एक चौका और एक छक्का शामिल है। धनंजय ने मोहम्मद नबी के अगले ओवर में भी छक्का जड़ा। धनंजय ने चरित असलांका (19) के साथ 54 रन और भानुका राजपक्षे (18) के साथ 42 रन की साझेदारी करके श्रीलंका को जीत दिलाई। इससे पूर्व मैच के पहले दो ओवरों में गेंद स्विंग कर रही थी लेकिन इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाज पावर प्ले के ओवरों में अपनी लेंथ पर नियंत्रण नहीं रख पाए। गुरबाज ने इस बीच आक्रामक रवैया अपनाया। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कासुन रजिता पर छक्का लगाया और इसके बाद भी अपने तूफानी तेवर जारी रखे जिससे अफगानिस्तान ने पावर प्ले के छह ओवरों में 42 रन बनाए। पावर प्ले के तुरंत बाद कुमारा ने हालांकि श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। गुरबाज बड़ी पारी खेलने की स्थिति में दिख रहे थे लेकिन कुमारा ने उनके बल्ले और पैड के बीच से गेंद निकालकर उन्हें बोल्ड कर दिया। इसके बाद स्पिनरों ने जिम्मा संभाला और रन गति पर अंकुश लगाया। गनी ने इस बीच कुमारा पर लांग ऑफ पर छक्का लगाया। इसके बाद उन्होंने हसरंगा पर छक्का लगाने के प्रयास में डीप मिडविकेट पर कैच थमा दिया।

संक्षिप्त समाचार

खराब प्रदर्शन के बावजूद कोच राहुल को केएल राहुल पर पूरा भरोसा

नई दिल्ली । केएल राहुल मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। वे पहले तीनों मैच में फेल रहे और किसी भी मैच में 10 रन तक नहीं पहुंच सके हैं। इसके बाद भी टीम मैनेजमेंट का भरोसा उन पर बना हुआ है। टीम इंडिया एक मुकाबले में बुधवार को बांग्लादेश के खिलाफ उतरेगी। सेमीफाइनल की रेस में बने रहने के लिए टीम को हर हाल में जीत चाहिए। मैच से पहले बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने कहा कि टीम इंडिया को हम हराने के इरादे से उतरने वाले है। मालूम हो कि प्वाइंट टेबल में भारतीय टीम अभी दूसरे नंबर पर है। भारत को अंतिम मुकाबले में साउथ अफ्रीका से हार मिली थी। कोच राहुल द्रविड़ ने कहा, मुझे और रोहित शर्मा को ओपनिंग जोड़ी को लेकर किसी तरह का संदेह नहीं है। हमें पता है कि केएल राहुल मैच में कितना प्रभाव छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें उन पर पूरा भरोसा है और इस लेकर हम चिंतित नहीं हैं। ऑस्ट्रेलिया में प्रदर्शन करना हमेशा चैलेंजिंग रहता है। मालूम हो कि भारत ने टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत की थी। पहले भारतीय टीम ने पाकिस्तान को फिर नीदरलैंड्स को हराया। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम मुकाबले में हार मिली। मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप की बात करें, तब राहुल ने पाकिस्तान के खिलाफ 8 गेंद पर 4 रन बनाए थे। इसके अलावा नीदरलैंड्स के खिलाफ 12 गेंद पर 9 रन और साउथ अफ्रीका के खिलाफ 14 गेंद पर सिर्फ 9 रन बना सके थे।

बीसीसीआई ने घोषित की न्यूजीलैंड-बांग्लादेश दौरे के लिए टीम

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड और बांग्लादेश दौरे के लिए बीसीसीआई ने टीम घोषित की। नई टीम में कई सीनियर खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड दौरे से आराम दिया गया है। घोषित टीम में हार्दिक पंड्या को टी20 टीम का जबकि शिखर धवन को वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है। फिर टीम को बांग्लादेश दौरे पर वनडे और टेस्ट सीरीज खेलनी है। यहां सीनियर खिलाड़ियों जैसे रोहित शर्मा और विराट कोहली खेलते हुए दिखेंगे। 2 विदेशी दौरे के लिए कुल 34 खिलाड़ियों को टीम में जगह मिली है और 3 कप्तान इस दौरान दिखाई देंगे। टीम इस दौरान एक टी20, 2 वनडे और एक टेस्ट सहित कुल 4 सीरीज खेलेगी। इससे साफ है कि आने वाले समय में पंड्या को टी20 टीम की कमान दी जा सकती है, लेकिन शिखर धवन जैसे सीनियर खिलाड़ी अभी भी टीम में बने हुए हैं। वे अगले साल भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की टीम का हिस्सा भी हो सकते हैं। पहले बात न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुनी गई टी20 टीम पर। ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी20 वर्ल्ड कप के अधिकतर सीनियर खिलाड़ी टीम में नहीं हैं। जैसे विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, आर अश्विन, दिनेश कार्तिक, मोहम्मद शमी। लेकिन सीनियर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार इस दौरे पर भी जाएंगे। वे इस साल सबसे अधिक टी20 इंटरनेशनल खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। वनडे टीम की कमान धवन के पास है। वहीं तेज गेंदबाज कुलदीप सेन और उमरान मलिक को भी जगह मिली है। उमरान टी20 टीम में भी शामिल हैं।

कोच राहुल द्रविड़ ने कहा, कोहली पूरी तरह से ठीक हैं, उन्होंने काफी अच्छे से प्रैक्टिस की

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

पर्थ में भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ जिस तरह की घटना घटी और उनके कमरे की वीडियो रिकार्डिंग करके सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया ये बेहद चौंकाने वाला रहा। इस घटना को लेकर खुद विराट कोहली ने भी अपना रोष जाहिर किया था। उनके स्पोर्ट में उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा सहित कई पूर्व दिग्गज क्रिकेटर भी आ खड़े हुए थे। हालांकि बाद में दोषी को पकड़ लिया गया, होटल की तरफ से कोहली से माफी मांगी गई और वीडियो को भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म से हटा दिया गया। जाहिर है इतना कुछ होने के बाद किसी भी व्यक्ति के दिमाग पर असर होगा ही और भला हो विराट कोहली का जिन्होंने इस घटना के बाद भी किसी भी तरह की शिकायत पुलिस में करने से मना कर दिया। खैर इन सारी बातों के बीच बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले मैच से पहले टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ ने विराट कोहली की मानसिक स्थिति के बारे में जानकारी देकर बताया कि कोहली पूरी तरह से ठीक हैं और उन्होंने इस घटना से निपटते हुए इस पीछे छोड़ दिया है साथ ही उन्होंने काफी अच्छे से प्रैक्टिस की है। द्रविड़ ने कोहली की जमकर तारीफ कर कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ विराट कोहली अभूतपूर्व थे और 19वें ओवर में उन्होंने जो दो छक्के लगाए वहां गजब का था। बता दें कि भारत को पाकिस्तान पर 4 विकेट से जीत मिली थी जिसमें कोहली की नाबाद अर्धशतकीय पारी का बड़ा योगदान था। वहीं अब टीम इंडिया को अपना चौथा ग्रुप मैच बांग्लादेश के खिलाफ एडिलेड में खेलना है। टीम इंडिया को सेमीफाइनल की राह आसान करने के लिए इस मैच में जीतना जरूरी है। हालांकि एडिलेड में बारिश होने की संभावना है, इसके बाद भारतीय टीम चाहेगी कि ये मैच किसी भी तरह से संपन्न हो।

गलतियों को सुधारने पर काम करेगी टीमः हरमप्रीत सिंह

- स्पेन से हार के बाद बोले हॉकी टीम के कप्तान

भुवनेश्वर । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमप्रीत सिंह ने कहा कि टीम आगामी मुकाबलों से पहले अपनी गलतियों को सुधारने पर काम करेगी। यह बात कप्तान ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) हॉकी प्रो लीग में स्पेन के हाथों मिली हार के बाद कही। हरमनप्रीत ने स्वीकार किया कि भारत को मैच खत्म करने के कौशल पर काम करने की जरूरत है। हरमनप्रीत ने कहा, 'हमने बहुत सारे मौके बनाए थे। हमें पेनल्टी कार्नर भी मिले, लेकिन कभी-कभी उन मौकों को भुनाने पर काम नहीं कर पाते हैं। हमें अगले सप्ताह दो और मैच खेलने हैं, इसलिए उम्मीद है कि हम अवसरों को जीत में बदल सकेंगे। स्पेन ने यहां रोमांचक मुकाबले में भारत को 3-2 से मात दी। हरमनप्रीत ने कहा, 'हम पूरे दबाव के साथ खेलने की कोशिश करते हैं। इसलिए, हम आक्रमण के मौके बना सकते हैं। हम कई पास रोकने और सर्कल में प्रवेश करने में सक्षम थे, लेकिन हम अपनी फिनिशिंग में सुधार कर सकते हैं। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान ने कहा कि भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में लगातार हौंसला अफजाई करने के लिए भारतीय प्रशंसकों की प्रशंसा की और कहा इससे टीम को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा, 'कलिंगा स्टेडियम में एक बार फिर से खेलना बहुत अच्छा था। यह हमारा दूसरा घर है और हमें हमेशा यहां दर्शकों से भारी समर्थन मिलता है। बता दें कि भारत को अपने अगले मैच में चार नवंबर को न्यूजीलैंड का सामना करना है। इससे पहले हरमनप्रीत की टीम प्रो लीग के अपने पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड को 4-3 से हरा चुकी है।

फ्रेंचाइजी लीग में खेलने से नहीं रोक सकता बोर्ड , वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डेरेन सैमी ने कहा

एडीलेड । वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड अपने खिलाड़ियों को दुनिया भर में विभिन्न फ्रेंचाइजी लीग में खेलने से नहीं रोक सकता क्योंकि वह उन्हें वित्तीय सुरक्षा नहीं मुहैया कराता। यह कहना है पूर्व कप्तान डेरेन सैमी का। सैमी ने आगे कहा कि वेस्टइंडीज की टीम यहां खेले जा रहे टी20 विश्व कप के सुपर 12 के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी। टीम के गिरते स्तर पर बात करते हुए सैमी की आंखें इस दर्द को बयां करती हैं।दो टी20 विश्व कप दिलाने वाले कप्तान सैमी का इससे हताश और नाराज होना लाजमी है। वह बहुत स्पष्ट हैं कि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की तरह वेस्टइंडीज बोर्ड अपने खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी लीग में भाग लेने से नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा, 'भारत मजबूत है क्योंकि वे अपने खिलाड़ियों को कह सकता है कि आप कहीं और नहीं खेल सकते। आपको समझना होगा कि उनके पास पैसा है, इसलिये वे उन्हें रोक सकते हैं।'सैमी ने कहा, 'भारत में ए सूची के अनुबंधित खिलाड़ी एक साल में शायद 10 लाख डॉलर (सात करोड़ से ज्यादा की मैच फीस और टीवी अधिकार राशि) कमाते हैं, जबकि वेस्टइंडीज ए सूची के खिलाड़ी की कमाई 150,000 डॉलर (करीब 1,2 करोड़ रुपये) है।'

पृथ्वी शॉ और सरफराज को क्यों नहीं मिला मौका चयनकर्ता चेतन शर्मा ने बताया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने न्यूजीलैंड और बांग्लादेश दौरों के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। यह दोनों दौरे पुरुष टी20 विश्व कप के समापन के बाद खेले जाएंगे।भारत को न्यूजीलैंड में 18 नवंबर से शुरू होने वाले तीन टी20 इंटरनेशनल और कई वनडे मैच खेलने हैं, जबकि बांग्लादेश का दौरा 4 दिसंबर से तीन वनडे मैचों के साथ शुरू होगा। इसके बाद दो टेस्ट मैच होने हैं, जो वर्तमान विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा हैं। इन दोनों दौरों के लिए चुनी गई टीम में कुछ खिलाड़ियों को शामिल नहीं करने के पीछे की वजह का खुलासा चयनकर्ता चेतन शर्मा ने किया है। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश दौरों के लिए कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम मिला है, तब कुछ नए खिलाड़ियों ने अपना पहला कॉल अप भी मिला है। हालांकि, दो नामों-पृथ्वी शॉ और सरफराज खान-का चयन किसी भी दौरे के लिए नहीं होने पर कुछ सवाल भी उठ रहे हैं। टीम की घोषणा के बाद चयन समिति के अध्यक्ष शर्मा ने कुछ खिलाड़ियों के बारे में बात की, जिन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया है। सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ घरेलू सर्किट में अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन वह पिछले कुछ वर्षों में चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन के लिए चीजों की योजना में नहीं रहे हैं। रोहित शर्मा और केएल राहुल दोनों को न्यूजीलैंड टी20 इंटरनेशनल के लिए आराम देने के साथ ही प्रशंसक शॉ को सलामी बल्लेबाज के रूप में वापस देखने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस पर शर्मा ने कहा, हम मूल रूप से पृथ्वी को देख रहे हैं, हम लगातार पृथ्वी के संपर्क में हैं, वह अच्छा कर रहा है। उनके साथ कुछ भी गलत नहीं है। बात यह है कि जो खिलाड़ी पहले से खेल रहे हैं, और जो प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें उनके मौके मिले हैं। उन्होंने कहा, उन्हें (पृथ्वी शॉ) निश्चित रूप से मौका मिलेगा। चयनकर्ता उनके साथ लगातार संपर्क में हैं, उनसे बात कर रहे हैं, वह अच्छा कर रहे हैं और उन्हें बहुत जल्द मौका मिलेगा। वहीं, सरफराज खान भी इस सीजन घरेलू क्रिकेट में सनसनीखेज फॉर्म में हैं। इस साल उन्होंने 15 प्रथम श्रेणी पारियों में छह शतक और 106.15 के औसत के साथ 1380 रन बनाए। ऐसा लग रहा था कि दाएं हाथ के बल्लेबाज अब टीम इंडिया में अपनी जगह बना लेगा, लेकिन उन्हें भारत कॉल-अप के लिए और इंतजार करना होगा। यह पूछने पर कि 25 वर्षीय खिलाड़ी को चुनने के लिए और क्या करने की जरूरत है? शर्मा ने कहा कि सरफराज को राष्ट्रीय रंग में आने का मौका मिलने में कुछ ही समय है। उन्होंने कहा, हम सरफराज को अवसर दे रहे हैं, जहां हम कर सकते हैं। हमने उन्हें इंडिया ए टीम में चुना। मैं चयनकर्ताओं से भी उनके बारे में बात कर रहा हूं। बहुत जल्द मौका मिलेगा। बता दें कि विराट कोहली और रोहित शर्मा दोनों ने आराम की मांग की थी और केएल राहुल को निजी कारणों से ब्रेक दिया गया है।

तूफानी पारी के साथ बटलर ने रचा बड़ा इतिहास, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान का तोड़ा रिकॉर्ड

स्पोर्ट्स डेस्क। मंगलवार को टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के दौरान कप्तान जोस बटलर ने तूफानी पारी के चलते एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। कप्तान बटलर ने इस मैच में 47 गेंदों पर 73 रन की शानदार पारी खेली। इसी के साथ कप्तान ने अपने नाम एक बड़ी उपलब्धि भी हासिल कर ली। बटलर अब टी20 प्रारूप में इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं और उन्होंने पूर्व कप्तान ओइन मॉर्गन का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने अपनी 73 रन की पारी के बदौलत टी20 प्रारूप में 2468 रन पूरे किए। बटलर अब तक टी20 में 18 अर्धशतक और एक शतक लगा चुके हैं। गौर हो कि इससे पहले इंग्लैंड टीम के पूर्व कप्तान मॉर्गन के नाम टीम की ओर से टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड था। मॉर्गन ने टी20 में 2458 रन बनाए हैं, जिसमें वह 14 अर्धशतक लगा चुके हैं। इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने के अलावा बटलर ने एक और उपलब्धि अपने नाम की है। जोस बटलर ने मंगलवार को अपना 100वां टी20 मैच भी खेला है। इंग्लैंड क्रिकेट ने फोटो साझा कर इस मौके पर उनको बधाई दी।

मोरबी दुर्घटना के दो दिन बाद भी ओरेवा कंपनी के मालिक जयसुख पटेल का कोई अता पता नहीं

अहमदाबाद। मोरबी दुर्घटना के दो दिन बीतने के बाद भी केबल ब्रिज के संचालक और ओरेवा कंपनी के मालिक जयसुख पटेल का कोई अता पता नहीं है। जयसुख पटेल के दफ्तर और निवास पर ताले लटके हुए हैं। पुलिस ने एफआईआर दर्ज मोरबी दुर्घटना के संदर्भ में 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। हांलाकि एफआईआर में जयसुख पटेल का नाम नहीं है। बता दें कि रविवार को मोरबी में मच्छू नदी पर बने केबल ब्रिज टूटने से 140 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। मोरबी नगर पालिका ने इस केबल ब्रिज को मार्च 2022 में एक खास करार के आधार पर ओरेवा कंपनी को 15 वर्ष के लिए लीज पर दिया था। जिसके बाद 143 वर्ष पुराने केबल ब्रिज का ओरेवा कंपनी ने 2 करोड़ रुपए की लागत से रिनोवेशन कराया था। रिनोवेशन के लिए करीब 6 महीने तक ब्रिज आम लोगों के लिए बंद था। दिवाली त्यौहारों के दौरान ओरेवा कंपनी पत्रकार परिषद में ब्रिज के रिनोवेशन को लेकर बड़े बड़े दावे किए थे। लेकिन पांच दिन के भीतर केबल ब्रिज टूट गया और इस घटना में 140 से अधिक लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद सामने आया कि ब्रिज के रिनोवेशन में केवल एल्यूमिनियम की फ्लोरिंग और कुछ वेल्डींग काम के साथ ही रंग रोगन कर आम लोगों के लिए खोल दिया गया था। इतना ही नहीं रिनोवेशन के बाद मोरबी नगर पालिका से फिटनेस सर्टिफिकेट भी नहीं लिया गया था। बीते दिन मोरबी नगर पालिका के चीफ ऑफीसर संदीपसिंह झाला ने बताया कि ओरेवा कंपनी ने बगैर प्रशासन को जानकारी दिए बगैर ब्रिज लोगों के लिए खोल दिया था। ब्रिज के उदघाटन समारोह में नगर पालिका का कोई सदस्य या कोई अधिकारी नहीं दिखा। ओरेवा कंपनी के फेसबुक और इंस्टा पेज पर केबल ब्रिज के उदघाटन की तस्वीरें और वीडियो में केवल कंपनी के एमडी जयसुख पटेल और उनका परिवार ही नजर आ रहा था। चीफ ऑफीसर ने कहा कि ऐसा लग रहा था जैसे केबल ब्रिज जयसुख पटेल की निजी संपत्ति हो। इतना ही नहीं मोरबी नगर पालिका से जब करार हुआ था तब वर्ष 2022-23 के दौरान 12 वर्ष तक आयु के बच्चों के लिए रु. 10 और 12 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति के लिए रु. 15 का टिकट तय किया गया था। लेकिन ओरेवा कंपनी ने रिनोवेशन के बाद उदघाटन वाले दिन से 12 वर्ष तक का आयु वाले बच्चों के रु. 12 और उससे अधिक आयु के लोगों से रु. 1। की वसूली शुरू कर दी थी। इस घटना के बाद से ओरेवा कंपनी के मालिक जयसुख पटेल समेत उनके परिवार का कोई अता पता नहीं है। आमतौर पर जयसुख पटेल अपने फार्महाउस पर रहते हैं। लेकिन फार्महाउस बंद पड़ा है। जयसुख पटेल की ऑफीस और निवास पर भी ताले लटक रहे हैं। ब्रिज दुर्घटना के मामले में पुलिस ने 304, 308 और 114 के तहत केस दर्ज किया है और 9 लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया है। लेकिन ओरेवा कंपनी के मालिक का एफआईआर में कोई उल्लेख नहीं है।

गृह मंत्रालय का बड़ा ऐलान, पाकिस्तान-बांग्लादेश आए लोगों मिलेगी भारत की नागरिकता

अहमदाबाद।

गुजरात विधानसभा के चुनाव से पहले केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने बड़ा ऐलान किया है। पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए लोगों को भारतीय नागरिकता देने का गृह मंत्रालय ने फैसला किया है और इसके लिए एक अधिसूचना भी जारी कर दी है। गृह मंत्रालय के इस फैसले से पाकिस्तान और बांग्लादेश से गुजरात आए हिन्दू, सिख, पारसी, जैन और ईसाई समुदाय में खुशी की लहर दौड़ गई है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए और फिलहाल गुजरात के दो जिलों में रहनेवाले हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता कानून 1955 के अंतर्गत भारतीय नागरिकता देने का फैसला किया है। विवादित नागरिका संशोधन अधिनियम 2019 (सीएए) के स्थान पर नागरिकता अधिनियम 1955 के तहत नागरिकता देने का यह महत्वपूर्ण कदम है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय के इस फैसले से गुजरात के दो जिलों आणंद और मेहसाणा में रहनेवाले तथा पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान से आए हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता दी जाएगी। केन्द्र सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 6 के तहत और नागरिकता नियम 2009 के प्रावधान के मुताबिक भारत की नागरिकता के लिए पंजीकरण को मंजूरी दी जाएगी अथवा उन्हें देश का नागरिक होने का प्रमाण पत्र दिया जाएगा। अधिसूचना के मुताबिक पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आकर गुजरात के आणंद और मेहसाणा में निवास कर रहे लोगों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। जिसके बाद जिलास्तर पर कलेक्टर सत्यापन करेंगे और समग्र प्रक्रिया से संतुष्ट होने के बाद भारत की नागरिकता प्रदान करेंगे। आवेदन के साथ कलेक्टर अपनी रिपोर्ट केन्द्र सरकार को भेजेंगे। ऑनलाइन के साथ साथ कलेक्टर द्वारा भौतिक रजिस्टर भी रखेंगे। जिसमें भारत के नागरिक के तौर पर इस प्रकार पंजीकृत किए गए लोगों की पूरा जानकारी और उसकी एक कॉपी इस प्रकार के पंजीकरण के सात दिनों के भीतर केन्द्र सरकार को भेजी जाएगी।

सूरत भूमि, सूरत। सूरत के पांडेसरा गणेश नगर बड़ोद में मध्य प्रदेश विकास परिषद सूरत द्वारा मध्य प्रदेश स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था मुख्य अतिथि सूरत महानगर पालिका शासक पश्चिम नेता अमित सिंह राजपूत एवं अजय सिंह थे। कार्यक्रम के आयोजक संदीप सिंह, रिंकू सिंह, विमल गुप्ता, आदित्य शुक्ला, मलिक सिंह, पिंटू सिंह, आशीष सिंह, राजू सिंह, एवं मध्य प्रदेश विकास परिषद की पूरी टीम उपस्थित थी।

भारत का अतीत, इतिहास, वर्तमान और भारत का भविष्य आदिवासी समुदाय के बिना पूरा नहीं होगा: प्रधानमंत्री

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को 'मानगढ़ धाम की गौरव गाथा' कार्यक्रम में उपस्थित रहकर स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान देने वाले आदिवासी नायकों और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने से पहले प्रधानमंत्री ने 'धूणी' के दर्शन किए और गोविंद गुरु की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मानगढ़ की पवित्र भूमि में रहना हमेशा प्रेरणादायी रहता है। यह भूमि हमारे आदिवासी बहादुरों की तपस्या, बलिदान, शौर्य और शहादत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मानगढ़ राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात के आदिवासी लोगों की साझी विरासत है। उन्होंने 30 अक्टूबर को गोविंद गुरु की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने का उल्लेख भी किया। प्रधानमंत्री ने पुराने दिनों की यादें ताजा करते हुए कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें मानगढ़ क्षेत्र की सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ था। गोविंद गुरु ने अपने जीवन के अंतिम वर्ष यहां बिताए थे। आज भी इस भूमि की मिट्टी में उनकी ऊर्जा और ज्ञान की अनुभूति होती है। उन्होंने इस बात का भी स्मरण किया कि किस तरह वन महोत्सव के माध्यम से स्थानीय लोगों से अपील करने पर यह समूचा क्षेत्र जो कभी बंजर था, वह अब हरे-भरे क्षेत्र में बदल गया है। प्रधानमंत्री ने इस अभियान के लिए निःस्वार्थ भाव से काम करने के लिए आदिवासी समुदाय के प्रति आभार भी व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसा नहीं है कि विकास के परिणामस्वरूप केवल स्थानीय लोगों के जीवन स्तर की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, बल्कि गोविंद गुरु के उपदेशों का प्रचार भी हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि गोविंद गुरु जैसे महान स्वतंत्रता सेनानी भारत की परंपरा और आदर्शों के प्रतिनिधि थे। गोविंद गुरु ने अपना परिवार खो दिया था, लेकिन वे कभी भी मन से नहीं हारे थे। उन्होंने प्रत्येक आदिवासी व्यक्ति को अपना परिजन बनाया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि गोविंद गुरु ने आदिवासी समुदाय के अधिकारों के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के साथ-साथ अपने समाज की कुरीतियों के विरुद्ध भी अभियान चलाया था, क्योंकि वे एक समाज सुधारक, आध्यात्मिक गुरु, एक संत और नेता थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका बौद्धिक और दार्शनिक पहलू

तथा उनकी हिम्मत और सामाजिक सक्रियता भी उतनी ही जीवंत थी। उन्होंने 17 नवंबर, 1913 को मानगढ़ में हुए हत्याकांड की बातों को याद करते हुए कहा कि वह घटना भारत में ब्रिटिश शासन की क्रूरता का उदाहरण है। श्री मोदी ने कहा कि निर्दोष आदिवासी थे जो आजादी मांग रहे थे, तो दूसरी तरफ ब्रिटेश हुकूमत के शासक थे जिन्होंने मानगढ़ की पहाड़ियों को चारों ओर से घेर लिया था और पंद्रह सौ से अधिक निर्दोष पुरुषों, महिलाओं, वृद्धि और बच्चों को मौत के घाट उतार दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से स्वतंत्रता संग्राम की ऐसी उल्लेखनीय और प्रभावशाली घटना को इतिहास की पुस्तकों में कहीं स्थान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि भारत आजादी के अमृत महोत्सव में इस विरासत को उजागर कर दशकों पहले हुई भूलों को सुधार रहा है।

मां अंबा के आशीर्वाद लेकर गुजरात कांग्रेस की परिवर्तन संकल्प यात्रा का आज से प्रारंभ

अहमदाबाद।

गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस प्रचार अभियान में जुट गई है। गुजरात कांग्रेस की आज से परिवर्तन संकल्प यात्रा की शुरुआत हो गई है। यात्रा के प्रारंभ होने से पहले गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रमुख भरतसिंह सोलंकी समेत अन्य नेताओं ने मां अंबा के आशीर्वाद लिए। इस मौके पर भरतसिंह ने आगामी विधानसभा चुनाव में 125 सीटें जीतने का दावा भी किया। उन्होंने कहा कि काणोदर वडगाम से प्रारंभ हुई परिवर्तन संकल्प यात्रा उत्तर गुजरात में भ्रमण कर लोगों के आशीर्वाद प्राप्त करेगी। सोलंकी ने बताया कि कांग्रेस की परिवर्तन संकल्प यात्रा बीते दिन यानी सोमवार से प्रारंभ होनी थी, लेकिन मोरबी दुर्घटना के कारण कल इसे स्थगित कर आज से प्रारंभ किया गया है। बता दें कि गुजरात के पांच अलग अलग स्थानों से कांग्रेस की परिवर्तन संकल्प यात्रा का आज से प्रारंभ हो गया है। आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पहले 'कांग्रेस का काम बोलता है' नारे के साथ प्रचार कर रही थी। लेकिन अब कांग्रेस ने भी भाजपा की रणनीति का अनुसरण करते हुए प्रचार करने के लिए कमर कस ली है। भाजपा 'गुजरात गौरव यात्रा' के जरिए राज्य के वोटरों को रिझाने के प्रयास कर रही है। अब कांग्रेस ने भी आगामी चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने के लिए लक्ष्य के साथ आज परिवर्तन संकल्प यात्रा का श्रीगणेश किया है। उत्तर गुजरात से प्रारंभ हुई कांग्रेस की परिवर्तन संकल्प यात्रा बनासकांठा, पाटण, मेहसाणा, साबरकांठा, अरवल्ली और गांधीनगर समेत 6 जिलों में भ्रमण करेगी। वहीं दक्षिण गुजरात की यात्रा भरुच, नर्मदा, तापी, सूरत, नवसारी, डांग और वलसाड समेत । जिलों से गुजरेगी। मध्य गुजरात में कांग्रेस की यात्रा वडोदरा जिला और शहर, आणंद, खेडा, महिसागर, पंचमहल, दाहोद, और छोटाउदेपुर समेत । जिलों में भ्रमण करेगी। जबकि सौराष्ट्र में कांग्रेस की परिवर्तन यात्राएं होंगी। सौराष्ट्र एक रूट में मोरबी, राजकोट, जामनगर, पोरबंदर, देवभूमि द्वारका और जूनागढ़ समेत जिलों

के मतदाताओं तक कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पहुंचेगी। जबकि सौराष्ट्र के दूसरे रूट में कांग्रेस की यात्रा गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, बोटाद, सुरेन्द्रनगर और अहमदाबाद जिला व शहर में भ्रमण करेगी। कांग्रेस की प्रत्येक यात्रा 10-10 दिन की होगी। देखना होगा कि परिवर्तन संकल्प यात्रा से कांग्रेस को आगामी चुनाव में कितना फायदा होता है।

गुजरात चुनाव से पहले भाजपा को बड़ा झटका, पूर्व सांसद प्रभातसिंह चौहाण कांग्रेस में शामिल

खेडा।

गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को बड़ा झटका लगा है। काफी समय से नाराज चल रहे पंचमहल के पूर्व सांसद प्रभातसिंह चौहाण आज कांग्रेस में शामिल हो गए। खेडा जिले के फागवेल में परिवर्तन संकल्प यात्रा के दौरान प्रभातसिंह ने कांग्रेस जॉइन कर ली। कांग्रेस के महासचिव मोहन प्रकाश और गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रमुख अमित चावड़ा ने पार्टी का पटका पहनाकर प्रभातसिंह का स्वागत किया। अब तक कांग्रेस या आप के नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल होते थे। लेकिन आज भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व सांसद प्रभातसिंह चौहाण के कांग्रेस में शामिल होने से चुनाव से पहले राज्य की राजनीति गरमा गई है। इसके अलाना

वडोदरा के एनसीपी नेता डॉ. तसवीनसिंह भी आज कांग्रेस में शामिल हो गए। गौरतलब है वर्ष 1995 में प्रभातसिंह चौहाण दल बदल कर भाजपा में शामिल हुए थे। 1996 में भाजपा के टिकट पर पंचमहल जिले की कालोल विधानसभा से चुनाव लड़ा और विजय प्राप्त की। कालोल विधानसभा सीट से वर्ष 200। तक प्रभातसिंह विधायक रहे। लेकिन 200। के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें गोधरा सीट से उम्मीदवार बनाया और कालोल सीट से अरविंदसिंह राठौड़ को टिकट दी थी। वर्ष 201। के चुनाव में भाजपा ने प्रभातसिंह चौहाण की पुत्र वधु सुमन चौहाण को कालोल सीट से उम्मीदवार बनाया था और जीत भी गई थी। लेकिन आगामी गुजरात चुनाव से पहले प्रभातसिंह चौहाण ने भाजपा छोड़ आज कांग्रेस जॉइन कर ली।

भारतीय परिवहन निगम लिमिटेड ने Q2 और H1/FY23 के परिणामों की घोषणा की

टीसीआई के प्रबंध निदेशक श्री विनीत अग्रवाल ने परिणामों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कंपनी ने त्त2 और ॥ड्ड स्नड्ड23 में लगातार प्रदर्शन दिखाया। ऑटोमोबाइल और उपभोक्ता क्षेत्रों में बढ़ती मांग के साथ-साथ कोर बिजनेस फंडामेंटल पर ध्यान केंद्रित करते हुए सभी बिजनेस सेगमेंट को संतोषजनक ढंग से वितरित करने में सक्षम बनाया गया। मुद्रास्फीति के दबाव के बावजूद, परिणाम उत्कृष्ट रहे।

कंपनी अपने व्यापक मल्टीमॉडल नेटवर्क, कस्टमाइज्ड सर्विस ऑफरिंग, उपयुक्त टेक्नोलॉजी में निवेश और ऑटोमेशन के माध्यम से उच्च वृद्धि वाले सेगमेंट को टैप करने के लिए विशिष्ट रूप से तैनात है।

इसके अलावा, पहले घोषित किए गए पीएम गति शक्ति फ्रेमवर्क के साथ राष्ट्रीय रसद नीति का शुभारंभ हमारे देश के रसद को कुशल और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निर्बाध मल्टीमॉडल परिवहन और आधुनिक कनेक्टिविटी और बढ़ते डिजिटलीकरण और मानकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। टीसीआई वर्षों से मजबूत विकास के लिए इन सभी विषयों पर जोरदार निवेश करना जारी रखे हुए है।

टीसीआई समूह के बारे में= टीसीआई समूह जिसका राजस्व रु। 5000 करोड़ भारत की अग्रणी एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला और रसद समाधान प्रदाता है। 6 दशकों में विकसित विशेषज्ञता के साथ टीसीआई ग्रुप के पास कंपनी के स्वामित्व वाले कार्यालयों का एक व्यापक नेटवर्क है, जो 13 मिलियन है। वेयरहाउसिंग स्पेस और प्रशिक्षित कर्मचारियों की एक मजबूत टीम। अपने ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण, विश्व स्तरीय संसाधनों, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और पेशेवर प्रबंधन के साथ, समूह मजबूत कॉर्पोरेट प्रशासन का पालन करता है और अपने हितधारकों और सामाजिक जिम्मेदारियों के लिए मूल्य सृजन के लिए प्रतिबद्ध है। ञ्चष्टढ्ढ लॉजिस्टिक्स सेक्टर में कई सॉल्यूशंस लॉन्च करने वाली पहली कंपनी थी। इसके उत्पाद की पेशकश में शामिल हैं:

टीसीआई फ्रेट: भारत का अग्रणी भूतल परिवहन संगठन। डिवीजन किसी भी आयाम या उत्पाद खंड के कार्गो के लिए कुल परिवहन समाधान प्रदान करने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित है। यह एफटीएल (पूर्ण ट्रक लोड)/एलटीएल (ट्रक लोड से कम)/छोटे पैकेजों और कार्गो/ओवर डायमेंशनल कार्गो पर कार्गो का परिवहन करता है।

TCI Seaways: TCI Seaways अपने बेड़े में छह जहाजों से सुसज्जित है और कंटेनर और बल्क कार्गो के परिवहन के लिए तटीय कार्गो आवश्यकताओं को पूरा करता है। मल्टीमॉडल तटीय शिपिंग और कंटेनर कार्गो आवाजाही और परिवहन सेवाओं में अग्रणी होने के नाते, टीसीआई सीवेज भारत को अपने पश्चिमी, पूर्वी और दक्षिणी बंदरगाहों से जोड़ता है।

मोरबी हादसे से सबक : अहमदाबाद के अटल पुल पर अब प्रतिघंटे 3000 लोगों को ही मिलेगी जाने की अनुमति

अहमदाबाद।

गुजरात के मोरबी में सस्पेंशन ब्रिज के टूटने से 134 लोगों की मौत के एक दिन बाद अहमदाबाद नगर पालिका ने शहर में स्थित साबरमती नदी पर केवल पैदल चलने वालों के लिए बने अटल पुल पर लोगों की संख्या को केवल 3,000 प्रति घंटे तक सीमित करने का फैसला किया है। ज्ञात हो 300 मीटर लंबा और 14 मीटर चौड़ा अटल ब्रिज साबरमती नदी के पश्चिमी छोर पर फलावर गार्डन और पूर्वी छोर पर बन रहे कला और संस्कृति केंद्र को जोड़ता है। 27 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया। जिसके बाद अटल पुल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है।

अटल पुल का प्रबंधन करने वाली कंपनी साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड ने एक बयान में कहा कि हालांकि पुल लगभग 12,000 व्यक्तियों के वजन को सहन करने में सक्षम है। फिर भी अहमदाबाद नगर निगम ने मोरबी पुल त्रासदी को देखते हुए एहतियात के तौर पर अटल पुल पर लोगों की संख्या को सीमित करने का फैसला लिया है। अब हर घंटे केवल 3,000 लोगों को अटल पुल पर प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। हर घंटे 3,000 से अधिक व्यक्तियों को पुल पर खड़े होने की अनुमति नहीं दी जाएगी, और बाकी को रिवरफ्रंट पर अपनी बारी का इंतजार करने को कहा जाएगा। साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट

कॉरपोरेशन लिमिटेड ने कहा कि पुल बहुत मजबूत और सुरक्षित है, लेकिन आगंतुकों की सुरक्षा सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। आकर्षक डिजाइन और एलईडी लाइटिंग के साथ पुल को 2,600 टन स्टील पाइप का उपयोग करके बनाया गया है। इसकी छत रंगीन कपड़े से बनी है और रेलिंग कांच और स्टेनलेस स्टील से बनाई गई है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)